ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 308 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

14 मई 2026 गुरुवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

42.6 अधिकतम

29.2 न्यूनतम

Page-7

वीडी सतीशन होंगे केरलम के नए सीएम

मुस्लिम लीग और प्रियंका के सामने राहुल गांधी को अंततः झुकना पड़ा

त्वरित टिप्पणी

राजेश सिरोठिया

केरलम में दस दिन लंबी चली कवायद के बाद आखिरकार कांग्रेस के सुप्रीमो राहुल गांधी को इंडियन मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेकने पड़े। राहुल गांधी इस बात पर अड़े थे कि उनकी कोर मंडली के सबसे प्रमुख केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री बने। इसके विपरीत 22 विधायकों के साथ केरल में यूडीएफ का कांग्रेस के बाद सबसे मजबूत धड़ा यानी इंडियन मुस्लिम लीग यही चाहता था कि वीडी सतीशन ही सीएम बनें। राहुल की बहन और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी भी सतीशन के नाम पर जोर दे रही थीं। केरल कांग्रेस के सबसे अनुभवी नेता रमेश चेन्नीथला का दावा इसीलिए कमजोर पर गया क्योंकि न तो उन्हें गांधी परिवार की कांग्रेस का सहारा था और न इंडियन मुस्लिम लीग का।

राहुल गांधी चाहते थे कि 140 सीटों वाली केरलम विधानसभा में अपनी 63 सीटों के साथ यूडीएफ के अन्य धड़ों (मुस्लिम लीग को छोड़क़र) को मिलाकर अपने चहेते वेणुगोपाल को केरल का सिंहासन सौंप दें। लेकिन अंततः उन्हें यह अहसास करा दिया गया ऐसा हुआ तो प्रियंका गांधी की वायनाड में संभावनाएं धूमिल होंगी। वेणुगोपाल के नाम पर प्रदेश कांग्रेस के टूटने और मुस्लिम लीग के फूटने की आशंका भी रहेगी। ऐसे में वीडी सतीशन ही सबसे उपयुक्त नेता होंगे। वेणुगोपाल भले ही राहुल गांधी के सबसे ज्यादा दुलारे हों लेकिन केरल में कांग्रेस नेताओं से लेकर दिल्ली तक नेताओं का बड़ा धड़ा उन्हें पसंद नहीं करता। फिर कांग्रेस की सहयोगी इंडियन मुस्लिम लीग की नाराजगी भी भारी पड़ सकती थी।

वीडी सतीशन

नतीजों से साफ हो चुका है कि उत्तरभारत के हिंदु-मुस्लिम ध्रुवीकरण की सियासत से महफूज रहे केरल में पहली बार वहां के मुस्लिम मतदाताओं ने वाम मोर्चे के बजाए उस कांग्रेस का साथ दिया जिसका सबसे अहम हिस्सा इंडियन मुस्लिम लीग है। यानी केरल में चुनाव के पहले बने भाजपा के मजबूत होने के नैरेटिव ने एलडीएफ यानी वाम मोर्चा को चुनावी जंग में काफी पीछे धकेल दिया। राज्य की करीब 28 फीसदी मुस्लिम और करीब 20 फीसदी ईसाई आबादी ने कांग्रेस और मुस्लिम लीग तथा उसके कुछ और छोटे दलों से बने यूडीएफ को बंपर जीत की सौगात दी। वैसे भी वीडी सतीशन न सिर्फ कांग्रेस बल्कि यूडीएफ के मुस्लिम लीग सहित तमाम धड़ों में लोकप्रिय चेहरे रहे हैं। 2001 से वह कभी चुनाव नहीं हारे। वेणुगोपाल केरलम की यूडीएफ की उर्वरा सियासी जमीन पर जीतकर लोकसभा के सांसद भले ही बन गए, लेकिन वह राहुल गांधी के सबसे ज्यादा करीबी होने के चलते दिल्ली से लेकर केरल तक के कांग्रेसियों की आंखों की किरकिरी बने हुए हैं। वह उन्हें केरलम में किसी भी सूरत में सीएम के बतौर नहीं देखना चाहते थे। प्रियंका गांधी को भी इसका अहसास था कि यदि वह सीएम बने तो वायनाड में उनकी सियासी जमीन कमजोर होगी। कांग्रेस के ज्यादातर नेता केरलम के मुस्लिम वोट बैंक की नाराजगी की खतरा भी मोल नहीं लेना चाहते। उनकी इसी चाहत ने वीडी सतीशन की सीएम बनने की जमीन को पुख्ता किया और दस दिन की लंबी कवायद के बाद ही सही, राहुल गांधी को अपने प्रिय पात्र वेणुगोपाल का मोह छोडऩा पड़ा।

सीहोर की श्री सत्यसाई यूनिवर्सिटी का छात्र रहा है मुख्य आरोपी शुभम खैरनार

आरकेडीएफ ग्रुप की यूनिवर्सिटी से जुड़े नीट पेपर लीक के तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देशभर में चर्चा का विषय बने नीट पेपर लीक मामले के तार अब भोपाल, सीहोर सहित देश के कई राज्यों में फैले आरकेडीएफ शिक्षा समूह से भी से भी जुड़ते नजर आ रहे हैं। राजस्थान पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया आरोपित शुभम खैरनार कभी सीहोर स्थित श्री सत्यसाई यूनिवर्सिटी का छात्र रहा है। सत्यसाई यूनिवर्सिटी, भोपाल के आरकेडीएफ समूह की ही एक इकाई है जिसके चांसलर सिद्धार्थ कपूर हैं। इससे पहले भी आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी में फर्जी मार्कशीट और डिग्री बनाने का बड़ा रैकेट पकड़ा जा चुका है।

जानकारी के अनुसार, राजस्थान पुलिस ने 3 मई 2026 को आयोजित नीट की परीक्षा में कथित धांधली और पेपर लीक मामले में महाराष्ट्र के नासिक निवासी डा शुभम खैरनार को हिरासत में लिया है। जांच एजेंसियां उससे लगातार पूछताछ कर रही हैं। बताया जा रहा है कि शुभम ने सीहोर की श्री सत्यसाई यूनिवर्सिटी में आयुर्वेद चिकित्सा (बीएएमएस) पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था। अब पता लगाया जाएगा कि मुख्य आरोपी इस यूनिवर्सिटी में रहते हुए किन गतिविधियों में शामिल था। सूत्रों का कहना है कि इस सिलसिले में सत्यसाई और आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी प्रबंधन से भी पूछताछ की जा सकती है। शुभम के सीहोर से जुड़े शैक्षणिक रिकार्ड सामने आने के बाद यह आशंका जताई जा रही है कि जांच एजेंसियां अब उसके संपर्कों और नेटवर्क की भी पड़ताल कर सकती हैं। जांच में पहले ही खुलासा हो चुका है कि नीट प्रश्नपत्र की डिजिटल कापी कथित तौर पर नाशिक में तैयार की गई थी। आरोपियों ने मोबाइल फोटो की बजाय हाई-डेफिनिशन पोर्टेबल स्कैनर का इस्तेमाल किया, ताकि पेपर स्पष्ट रूप से सॉल्वर गैंग तक पहुंच सके। मामले में टेलीग्राम ग्रुप्स और डिजिटल माध्यमों की भी जांच की जा रही है।

आरकेडीएफ में पहले पकड़ा जा चुका है फर्जी मार्कशीट गिरोह

भोपाल स्थित आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी में पहले भी फर्जी मार्कशीट और डिग्री बनाने का बड़ा रैकेट पकड़ा जा चुका है। इस सिलसिले में राजस्थान एसटीएफ और पुलिस ने यूनिवर्सिटी के परिसरों और संचालक सुनील कपूर के आवास पर छापेमारी की थी। गांधी नगर और कोलार शाखाओं सहित संचालक के घर पर सर्च ऑपरेशन चलाया था। इससे पहले तेलंगाना पुलिस द्वारा भी इस ग्रुप की अन्य यूनिवर्सिटी के अधिकारियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। इनमें एसआरके यूनिवर्सिटी के तत्कालीन वाइस चांसलर, पूर्व वाइस चांसलर और इंजीनियरिंग विभाग के प्रिंसिपल शामिल थे। जांच में खुलासा हुआ था कि यहाँ चल रहा रैकेट फेल और ड्रॉपआउट छात्रों को टारगेट करता था। बीटेक, एमबीए और अन्य प्रोफेशनल कोर्स की फर्जी डिग्री और मार्कशीट बनाने के लिए छात्रों से 2 से 3 लाख रुपये तक वसूले जाते थे।

गोवा के स्टूडेंट ने की खुदकुशी

गोवा के कर्टोरिम में रहने वाले एक 17 साल के छात्र ने बुधवार को अपने घर पर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, वह नीट परीक्षा रद्द होने से परेशान था। आत्महत्या करने से पहले उसने एक नोट लिखा था। जिसमें उसने लिखा है कि, वह अब प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल नहीं होना चाहता। उसके पिता, जो एक रेलवे गार्ड हैं, जब वह घर लौटे तो उन्हें उसका शव मिला। घटना से पहले उसकी मां और बहन अपने पैतृक गांव चली गई थीं। मूल रूप से यह परिवार बेंगलुरु के रहने वाले है।

पंजाब-मुंबई, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

तेजस्वी यादव का कोर्ट में सरेंडर, मिली जमानत

पटना। कोरोना के नियमों का उल्लंघन करने के मामले में राजद नेता तेजस्वी यादव ने एमपी/एमएलए के विशेष न्यायाधीश प्रवीण कुमार मालवीय की अदालत में आत्मसमर्पण कर जमानत की मांग की। अदालत ने तेजस्वी यादव को जमानत दे दी है।

ट्रक से टक्कर के बाद बस में लगी आग, 4 लोगों की मौत

राजकोट। गुजरात में देर रात चोटिला-राजकोट हाईवे पर एक भीषण दुर्घटना हो गई। राजकोट से चोटिला जा रही एक निजी बस और डामर से लदे एक ट्रक से टकरा गई। इस टक्कर के बाद बस में भीषण आग लग गई। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। करीब 15 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बीएसएफ मुख्यालय ब्लास्ट का आरोपी गिरफ्तार

जालंधर। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर मुख्यालय के बाहर 5 मई की रात हुए आईईडी ब्लास्ट मामले में पुलिस और खुफिया एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। सूत्रों के अनुसार इस आतंकी साजिश के मुख्य संदिग्ध को दिल्ली से हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई पंजाब पुलिस के इनपुट पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियों के संयुक्त ऑपरेशन के तहत की गई।

मध्यप्रदेश में गर्मी का प्रकोप जारी, खजुराहो में पारा 45.4 डिग्री

यूपी में आंधी-तूफान से तबाही, 94 की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी

देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल चुका है। कहीं तेज आंधी और बारिश से तबाही मच रही है, तो कहीं भीषण गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। उत्तर प्रदेश में बुधवार को आई तेज आंधी-तूफान ने भारी नुकसान पहुंचाया, जिसमें प्रयागराज, अयोध्या, भदोही सहित लगभग 30 जिलों में हादसों के चलते 94 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 17 मौतें प्रयागराज में और 16 भदोही में हुईं।

कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए, बिजली के खंभे गिर पड़े और सड़कों पर घंटों जाम जैसी स्थिति रही। बरेली में 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही आंधी के दौरान एक युवक टीनशेड समेत हवा में उछल गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उन्नाव, गोंडा और बांदा जिलों में कई वाहनों पर पेड़ गिरने की घटनाएं भी सामने आईं। बांदा में तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने आज भी राज्य के 51 जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार, राहत और बचाव टीमों को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है।

दूसरी ओर, राजस्थान और मध्य प्रदेश में गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। राजस्थान का जैसलमेर लगातार चौथे दिन देश का सबसे गर्म शहर बना रहा, जहां तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर और बाड़मेर में आज रेड अलर्ट जारी किया गया है। कई जिलों में दोपहर के समय सड़कें लगभग सुनसान नजर आईं। डीग में 12वीं कक्षा की चार छात्राएं गर्मी के कारण बेहोश हो गईं। अलवर में तेज हवा के चलते एक बिजली का खंभा गिर गया। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटे तक हालात और खराब हो सकते हैं।

वहीं, मध्य प्रदेश के 25 से ज्यादा जिले हीटवेव की चपेट में हैं। खजुराहो में बुधवार को तापमान 45.4 डिग्री तक पहुंच गया। इंदौर, उज्जैन, धार और रतलाम में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी हो रही है, जिससे लोगों को रात में भी राहत नहीं मिल रही।

दोनों देशों के बीच चर्चा पर दुनिया की नजर

ट्रम्प के सामने ही जिनपिंग ने धमकाया ताइवान को लेकर छिड़ सकती है जंग

बीजिंग, एजेंसी

चीन की राजधानी बीजिंग में इस वक्त अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक पर दुनिया की नजर है। दोनों नेताओं ने ही अमेरिका और चीन के बीच दोस्ती को बढ़ाने की बात की है। हालांकि, इस दौरान जिनपिंग ने ट्रम्प को ताइवान के मुद्दे पर बड़ी धमकी दे दी है। राष्ट्रपति जिनपिंग ने ताइवान के मुद्दे पर ट्रम्प को चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान का मुद्दा अगर सही ढंग से नहीं सुलझा तो दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ सकता है। इस कंडीशन में दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहद खतरनाक हो सकते हैं। शी जिनपिंग ने कहा, अगर इस मुद्दे को सही तरीके से संभाला गया तो द्विपक्षीय संबंध सामान्य रूप से स्थिर रह सकते हैं। लेकिन अगर इसे ठीक से नहीं संभाला गया तो दोनों देश टकराव या यहां तक कि संघर्ष की स्थिति में पहुंच सकते हैं, जिससे पूरे चीन-अमेरिका संबंध बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच जाएंगे।

जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका और चीन को एक-दूसरे का विरोधी होने के बजाय साझेदार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे की सफलता में योगदान देना चाहिए और मिलकर तरक्की का रास्ता चुनना चाहिए। जिनपिंग ने वैश्विक चुनौतियों पर अमेरिका-चीन के मिलकर काम करने पर जोर दिया है। जिनपिंग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब वार्ता के लिए डोनाल्ड ट्रंप बीजिंग में हैं। इस बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने अमेरिका और चीन में दोस्ती की बात कही है। तो वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने भी जिनपिंग की जमकर तारीफ की है। ट्रंप ने शी जिनपिंग को महान नेता बताते हुए कहा कि आपका दोस्त होना मेरे लिए गर्व की बात है।

निर्भया जैसा मामला... बस में महिला से सामूहिक दुष्कर्म, ड्राइवर-कंडक्टर गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी

पश्चिमी दिल्ली के नांगलोई इलाके में बस में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। एक प्राइवेट बस में महिला के साथ ड्राइवर और कंडक्टर ने सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बस को भी जब्त कर लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ रानी बाग थाने में केस दर्ज किया गया है। फिलहाल दिल्ली पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला कि पीड़ित महिला नांगलोई में एक फैक्ट्री में काम करती है। पीड़ित महिला रात में फैक्ट्री से घर पैदल लौट रही थी और रास्ते में स्लीपर बस के ड्राइवर-कंडक्टर ने उसे अंदर खींच लिया। इसके बाद करीब सात किलोमीटर तक बस को चलाते रहे और इसी दौरान महिला के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। रात करीब 2 बजे आरोपी उसे सड़क पर उतारकर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनकी पहचान सुदेश (30) और अमन (26) के रूप में हुई है। सुदेश बस का ड्राइवर है और अमन बस का हेल्पर है।

देवास की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, कई लोगों की मौत, 25 फीट दूर तक बिखर गए शवों के टुकड़े

देवास, एजेंसी

मध्य प्रदेश के देवास के टोंक कलां इलाके में गुरुवार सुबह 11.30 बजे एक पटाखा फैक्ट्री में धमाका हो गया। शुरुआती जानकारी है कि हादसे में 8-10 लोगों की मौत हुई है। कलेक्टर ने हादसे में दो लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि आरएमओ ने 3 मौतों की बात कही है। हादसे में एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

ब्लास्ट इतना तेज था कि शवों के टुकड़े 20 से 25 फीट दूर तक जा गिरे। हादसे में कई लोग बुरी तरह झुलस गए और तीन महिलाएं अब भी लापता बताई जा रही हैं। फैक्ट्री में करीब 200 से ज्यादा महिलाएं काम करती थीं। घायलों को जिला अस्पताल भेजा जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और राहत टीम मौके के लिए रवाना हुई है।

मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि दो केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था। इसी दौरान केमिकल की मात्रा सही नहीं मिलने से ब्लास्ट हो गया। लोगों के अनुसार, जहां विस्फोट हुआ वहां 15 से 20 मजदूर काम कर रहे थे। लंच से करीब 15 से 20 मिनट पहले ही फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। लोगों ने बताया कि कर्मचारियों का खाना भी आ चुका था, लेकिन हादसे के बाद लोग खाना छोड़कर जान बचाने के लिए भागे।

अंदर खास

पहेली बनी ट्विशा शर्मा की मौत, शव लेने से पहले एफआईआर चाहता है परिवार : पेज 2

आज का कार्टून

ट्रम्प का चीन दौरा- टेक दिग्गजों के लिए ट्रेड वार्ता या ईरान पर घुटनाटेक यात्रा!

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अपने देश के टॉप टेक दिग्गजों के साथ चीन की तीन दिनी यात्रा के निहितार्थ क्या हैं? इसका अमेरिका की मजबूरियों और चीन कर उर्जा जरूरतों के बीच ईरान से किसी तरह पिंड छुड़ाने की ट्रम्प की कोई गुप्त रणनीति है ? इसमें कोई शक नहीं है कि अब अमेरिका अब चीन के साथ केवल राजनीतिक नहीं बल्कि तकनीकी और आर्थिक शक्ति संतुलन की नई रणनीति पर काम कर रहा है।

दरअसल यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय घट रहा है जब पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका समर्थित शक्तियों के बीच तनाव चरम पर है । स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कायम गतिरोध अमेरिका और उससे ज्यादा ईरान की इज्जत का सवाल बन चुका है। यह गतिरोध वैश्विक अर्थव्यवस्था की चिंता का बड़ा कारण बन चुका है। इसमें चीन पर असर सबसे ज्यादा है तो अमेरिका के लिए ईरान मामले में अपनी बची खुची साख को बचाकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से बाहर निकलना एक शर्त बन चुकी है। चीन के लिए तेल जरुरी है तो अमेरिकी टेक कंपनियों के लिए दुर्लभ खनिज। इसी के बीच फंसा है होर्मुज का पेंच।

होर्मुज संकट का दूसरा पहलू डॉलर और वैश्विक बाजारों से जुड़ा है। तेल की कीमतें बढ़ने से चीन की उत्पादन लागत बढ़ सकती है, जबकि अमेरिका अपने ऊर्जा और तकनीकी वर्चस्व का उपयोग करके वैश्विक आर्थिक दबाव को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर सकता है। यही कारण है कि ट्रंप के प्रतिनिधिमंडल में टेक कंपनियों की मौजूदगी को केवल व्यापारिक यात्रा नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। स्पष्ट है कि आज की दुनिया में युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे। अब संघर्ष तेल, चिप, एआई, डेटा और समुद्री मार्गों पर भी हो रहा है। होर्मुज का तनाव और ट्रंप का चीन दौरा इसी नई विश्व व्यवस्था की दो जुड़ी हुई कड़ियां हैं, जहां ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी प्रभुत्व आने वाले समय की सबसे बड़ी शक्ति बनने जा रहे हैं।

चीन दुनिया का सबसे बड़ा ऊर्जा आयातक है और उसकी अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर पश्चिम एशिया से आने वाले तेल पर निर्भर करती है। दूसरी ओर अमेरिका यह समझता है कि यदि होर्मुज संकट लंबा खिंचता है तो वैश्विक सप्लाई चेन, चिप उद्योग और एआई सेक्टर पर भी असर पड़ेगा। सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर डेटा सेंटर तक, पूरी तकनीकी दुनिया ऊर्जा स्थिरता पर टिकी हुई है। एनवीडीया जैसी कंपनियां आज केवल कारोबारी संस्थाएं नहीं रहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक शक्ति का हिस्सा बन चुकी हैं। एआई की दौड़ में अमेरिका की बढ़त काफी हद तक इन कंपनियों पर निर्भर है। इसलिए ट्रंप यह संदेश देना चाहते हैं कि अमेरिका का राजनीतिक नेतृत्व और उसका टेक उद्योग एक साथ खड़े हैं। यह चीन को भी संकेत है कि प्रतिस्पर्धा के बावजूद अमेरिका संवाद और व्यापार के रास्ते बंद नहीं करना चाहता। अब लाख टके का सवाल यही है कि तीन दिनी वार्ता अमरीकी टेक कंपनियों के लिए खुशियों से भरी साबित होंगी तो किस कीमत पर ? क्या ट्रम्प अपने टेक उद्योग को बचाने ईरान के मुद्दे पर चीन के सामने घुटने टेकेंगे? क्योंकि ईरान जंग के तार्किक समाधान के बगैर कुछ भी मुमकिन हो सकेगा , इसके आसार कम ही दिखते हैं ।

रिटायर्ड जज की प्रेग्नेंट बहू की संदिग्ध मौत का मामला

ससुराल पक्ष पर एफआईआर के लिए अड़ा ट्विशा शर्मा का परिवार, शव लेने से इंकार

» आखिरी कॉल पर भाई से कहा था... अब बर्दाश्त नहीं होता, मुझे ले चलिए भैया

» कई फिल्मों और धारावाहिक में काम कर चकी थी ट्विशा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कटारा हिल्स इलाके में रिटायर्ड महिला जज की प्रेग्नेंट बहू ट्विशा शर्मा के फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में अभी तक पुलिस ने ससुराल पक्ष के किसी भी सदस्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया है। इसी वजह से दो दिन बाद भी मायके पक्ष ने उसकी डेडबॉडी लेने से इंकार कर दिया है। मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बेटी के हाथ और कान पर चोट के नीले निशान हैं।

31 वर्षीय ट्विशा शर्मा मूल रूप से नोएडा की रहने वाली थी। उसने कई फिल्मों और टीवी धारावाहिकों में काम भी किया था। उसकी शादी करीब छह महीने पहले भोपाल के कटारा हिल्स निवासी वकील समर्थ शर्मा से हुई थी। समर्थ की मां गिरिबाला सिंह रिटायर्ड जिला प्रधान न्यायाधीश हैं और वर्तमान में जिला उपभोक्ता फोरम बेंच 2 की अध्यक्ष हैं। ट्विशा का भाई हर्षित शर्मा भारतीय सेना में मेजर है। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात ट्विशा ने उन्हें फोन किया था। कहा था कि उसका पति पिछले 8 दिन से प्रताड़ित कर रहा था। छोटी-छोटी बातों पर उसका अपमान किया जा रहा है। मानसिक उत्पीड़न बढ़ गया है। उसने बताया था कि वह भोपाल छोड़कर मायके लौटना चाहती है। परिवार के अनुसार, उसने नोएडा आने के लिए रिजर्वेशन भी करा लिया था, लेकिन इससे पहले उसकी मौत की खबर आ गई।

दिल्ली से आए ट्विशा के भाई आशीष शर्मा ने दोपहर मेट्रो को बताया कि वे दो दिनों से सिर्फ इस बात के लिए पुलिस अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं कि इस मामले में एफआईआर दर्ज की जाए लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इससे वजह से परिवार शव लेने से इंकार कर रहा है। आशीष के अनुसार पुलिस ने उन्हें पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी भी नहीं दी। उसके शरीर पर जो चोट के निशान हैं, उनसे पहली नजर में ही मामला संदिग्ध दिखाई दे रहा है।

ट्विशा और समर्थ की शादी के समय की फोटो।

शादी से पहले ट्विशा

पुलिस बोली- बयानों के बाद होगी कार्रवाई

कटारा हिल्स थाने के प्रभारी सुनील कुमार दुबे ने बताया- रात 11 बजे अस्पताल से पुलिस को सूचना दी गई थी। घटना के समय पति और सास दोनों घर में थे। वही ट्विशा को फंदे से उतारने के बाद अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया है। एफआईआर के बाद ही शव लेने की बात अनैतिक है। किसी भी मौत के बाद जांच होती है और उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाती है।

अनप्लांड प्रेग्नेंसी पर विवाद

मामले में एक और पहलू सामने आया है। भाई के मुताबिक, मार्च में ट्विशा की अनप्लांड प्रेग्नेंसी हुई थी। परिवार का दावा है कि ट्विशा उस समय बच्चे के लिए तैयार नहीं थी, लेकिन ससुराल पक्ष उस पर बच्चा पैदा करने का दबाव बना रहा था। परिजन ने आरोप लगाया कि पति इस बात को लेकर भी उसे ताने देता था। कथित तौर पर यह भी कहा जाता था कि बच्चा मेरा नहीं है, इसलिए तुम उसे गिराना चाहती हो। परिवार का कहना है कि इस तरह की बातें ट्विशा को अंदर से तोड़ रही थीं।

घर से सुसाइड नोट नहीं मिला

मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही ट्विशा के साथ मारपीट होती थी।

हालांकि, पुलिस को अब तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। घर की तलाशी में भी कोई नोट बरामद नहीं हुआ। घटना के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। बुधवार को मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंचे। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

ट्विशा के परिजनों को सास ने दी थी मौत की खबर

परिजन का आरोप है कि फोन पर बात होने के कुछ समय बाद सास का कॉल आया। सास ने बताया कि ट्विशा की मौत हो चुकी है और उसने घर में फांसी लगा ली है। इसके बाद मायके वाले भोपाल पहुंचे। मेजर हर्षित का आरोप है कि शादी के शुरुआती समय तक सब सामान्य था। नौकरी छोड़ने के बाद ट्विशा के साथ व्यवहार बदल गया। उसे नाकारा कहकर ताने दिए जाते थे। परिवार और उसकी परवरिश को लेकर भी अपमानित किया जाता था। इसकी वजह से वह डिप्रेशन में थी। उन्होंने बताया कि शादी के बाद भोपाल में रहना था, इस कारण ट्विशा ने नौकरी छोड़ी थी। यहां आने के बाद वह अन्य जॉब नहीं करना चाहती थी। इसी बात पर पति विवाद करता था।

जल आपूर्ति व्यवस्था का मामला

दूषित पेयजल मामला एनजीटी पहुंचा, समिति करेगी जांच

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण में राजधानी भोपाल की दूषित पेयजल और जल आपूर्ति व्यवस्था का मामला पहुंचने के बाद अब इसकी जांच के लिए विशेषज्ञ समिति गठित की जाएगी।

मामले को गंभीर मानते हुए एनजीटी ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को तीन सदस्यीय विशेषज्ञ दल बनाने के निर्देश दिए हैं।याचिकाकर्ता कमल कुमार राठी ने एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच में दायर आवेदन में आरोप लगाया है कि भोपाल में पेयजल की जांच प्रशिक्षित वैज्ञानिकों के बजाय अस्थायी और अकुशल कर्मचारियों से कराई जा रही है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। याचिका में कहा गया है कि कई इलाकों में जल संकट के समाधान के बजाय नगर निगम ने पानी की सप्लाई बंद कर दी, जिससे हजारों लोग टैंकरों पर निर्भर हो गए हैं।

आवेदन में यह भी दावा किया गया है कि भोपाल के भूजल में ई-कोलाई बैक्टीरिया पाया गया है। याचिकाकर्ता के अनुसार यह वही खतरनाक बैक्टीरिया है, जिसके कारण पहले इंदौर में दूषित पानी से कई लोगों की मौत हो चुकी है। याचिका में बताया गया कि पिछले छह वर्षों में मध्यप्रदेश के शहरों में 5.45 लाख से अधिक लोग जलजनित बीमारियों से प्रभावित हुए हैं। एनजीटी ने सीपीसीबी भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक को निर्देश दिए हैं कि संयुक्त जांच दल में सीपीसीबी अधिकारियों के साथ जल विज्ञान विशेषज्ञ और वाटर लैंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए।

यह टीम भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों से पानी के नमूने लेकर जांच करेगी और सुधारात्मक सुझावों के साथ चार सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को निर्धारित की गई है।

फेडरेशन की मैनेजिंग कमेटी में क्रेडाई भोपाल को पहली बार प्रतिनिधित्व

भोपाल। फेडरेशन ऑफ मप्र चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के स्वर्ण जयंती वर्ष में नव निर्वाचित अध्यक्ष व कार्यकारिणी के पदभार ग्रहण समारोह में क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक ने मैनेजिंग कमेटी में पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम उद्योग मंत्री चैतन्य कश्यप और श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल की उपस्थिति में आयोजित हुआ। एफएमपीसीसीआई की स्थापना 1975 में मप्र के व्यापार, उद्योग व वाणिज्य को संगठित मंच देने के उद्देश्य से हुई थी। यह प्रदेश का प्रमुख एपेक्स उद्योग-व्यापार संगठन है, जो उद्योग एवं उद्यमियों सहित अनेक क्षेत्रों की आवाज़ सरकार और नीति-निर्माण मंचों तक पहुंचाता रहा है। मनोज मीक ने इस दायित्व के लिए फेडरेशन अध्यक्ष हिमांशु खरे का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्रेडाई भोपाल को पहली बार इस व्यापक उद्योग-व्यापार मंच पर प्रतिनिधित्व मिलना शहरी विकास, रियल एस्टेट और निर्माण क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को प्रदेश के बड़े आर्थिक विमर्श से जोड़ने का अवसर देगा।

बाल विकास मंत्री ने कहा- तीन करोड़ बच्चों के भविष्य को केंद्र में रखकर बनेगी विकास नीति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बच्चों के सर्वांगीण विकास को 'विकसित मध्यप्रदेश- 2047' की आधारशिला बताते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में बच्चों के लिए ऐतिहासिक निवेश किया है और अब लक्ष्य 'परिणामोन्मुखी चाइल्ड बजटिंग' के जरिए योजनाओं का वास्तविक लाभ बच्चों तक पहुंचाना है। बुधवार को भोपाल में महिला एवं बाल विकास विभाग और यूनिसेफ द्वारा आयोजित 'चाइल्ड बजटिंग इन मध्यप्रदेश' कार्यशाला में उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए 23,747 करोड़ रुपये तथा शिक्षा पर कुल व्यय का 13.7 प्रतिशत आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा कि चाइल्ड बजट स्टेटमेंट में अब 19 विभाग शामिल हैं और बच्चों के विकास के लिए विभागीय समन्वय आवश्यक है। महिला एवं बाल विकास आयुक्त निधि निवेदिता ने बताया कि प्रदेश की 40 प्रतिशत आबादी यानी करीब 3 करोड़ बच्चे हैं, इसलिए योजनाओं की पारदर्शी और साक्ष्य-आधारित मॉनिटरिंग जरूरी है।

आयुर्वेद विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रानी दुल्लैया स्मृति आयुर्वेद पीजी महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल तथा नीमा के संयुक्त तत्वावधान में बीएएमएस अंतिम वर्ष के मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के उत्कृष्ट एवं सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्र-छात्राओं के सम्मान के लिए समारोह का आयोजन रानी दुल्लैया आयुर्वेद सभागार में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र भगवान दास सबनानी, प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला, संस्थापक हेमंत सिंह चौहान, प्राचार्य डॉ. रवि प्रकाश सिंह एवं नीमा अध्यक्ष डॉ. हरेन्द्र भदौरिया द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं पूजन-अर्चन के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के परिश्रम और समर्पण की सराहना की गई। मुख्य अतिथियों ने कहा कि आयुर्वेद में अपार संभावनाएं हैं और यह विद्यार्थी भविष्य में देश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने के संकल्प में आयुर्वेद का विशेष योगदान होगा। इस अवसर पर नेहा डे, आशी दुबे, सेजल बोपचे, अनुष्का कुमारी, तनु बोबडे सहित कई मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। संस्थापक श्री हेमंत सिंह चौहान ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में अनेक प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे तथा संचालन डॉ. सुचिता सिंह द्वारा किया गया।

जून 2022 से एक कार से आ-जा रहीं सात डॉक्टर

पीएम की अपील से पहले ही सेवा सदन के डॉक्टर्स कारपूलिंग से बचा रहे ईंधन

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन बचाने और प्रदूषण कम करने के लिए कारपूल अपनाने की अपील की गई है। हालांकि, भोपाल के सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सात डॉक्टरों ने इस विजन को प्रधानमंत्री की अपील से बहुत पहले ही हकीकत में बदल दिया था। जून 2022 से ही यह समूह व्यक्तिगत वाहनों के बजाय एक ही कार में अस्पताल आने-जाने की पद्धति का पालन कर रहा है।

सीनियर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सपना प्रशांत श्रीवास्तव के अनुसार, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए उन्होंने यह फैसला लिया था, जिससे अब हर महीने सैकड़ों लीटर ईंधन की बचत हो रही है। पर्यावरण संरक्षण के साथ बढ़ी टीम बॉन्डिंग इस पहल के माध्यम से ये डॉक्टर न केवल कार्बन उत्सर्जन कम कर रहे हैं, बल्कि अस्पताल परिसर में पार्किंग की समस्या को भी कम करने में मदद कर रहे हैं।

एक कार से आते है सात डॉक्टर : प्रतिदिन सात कारों के स्थान पर केवल एक कार के आने से मरीजों को पार्किंग में सहूलियत मिलती है। ईंधन की बचत और पर्यावरण रक्षा के अलावा, इस साझा यात्रा का सबसे बड़ा फायदा डॉक्टरों के बीच आपसी समन्वय और चर्चा के रूप में सामने आया है। आने-जाने के लगभग 40 मिनट के दौरान ये विशेषज्ञ न केवल जटिल मेडिकल केसेज पर चर्चा करते हैं, बल्कि अपने व्यक्तिगत सुख-दुख भी साझा करते हैं, जिससे उनकी टीम बॉन्डिंग और अधिक मजबूत हुई है। इन डॉक्टरों की टोली बनी समाज के लिए प्रेरणा सेवा सदन अस्पताल प्रबंधन के पूर्ण सहयोग से संचालित इस मुहिम में डॉ. प्रेरणा उपाध्याय, डॉ. रश्मि आप्टे, डॉ. सपना प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. रोहिणी गद्रे, डॉ. दीपा रैदास, डॉ. सरिता कुमार और डॉ. सोनल गोरे शामिल हैं। इन डॉक्टरों के साथ ड्राइवर चंदन भी इसका हिस्सा हैं।

मन की बात सुनी: डॉ. श्रीवास्तव का कहना है कि जब उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री को कारपूलिंग पर जोर देते सुना, तो उन्हें गर्व महसूस हुआ कि उनकी वर्षों पुरानी यह छोटी सी कोशिश आज एक राष्ट्रीय सोच का हिस्सा बन चुकी है। इन सात डॉक्टरों ने सिद्ध कर दिया है कि यदि व्यक्ति स्वयं से शुरुआत करे, तो समाज में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

लघुकथा में अनावश्यक विस्तार और जानकारियां देने से बचें-डॉ. मिथलेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लघुकथा में अनावश्यक विस्तार और जानकारी देने से लघुकथा लेखकों को बचना चाहिए, लघुकथा का सम्यक मूल्यांकन करते समय विषय भाषा शिल्प और शैली पर पैनी दृष्टि रखना बहुत आवश्यक है।

यह उदगार हैं वरिष्ठ लघुकथा लेखक प्रो. मिथलेश अवस्थी नागपुर के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित बुधवारीय साप्ताहिक ऑन -लाइन गूगल गोष्ठी में सुपरिचित रचनाकार चित्रा राघव राणा यू. एस. ए. के लघुकथा पाठ पश्चात् विमर्श में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। इस आयोजन में चित्रा राघव राणा ने बोझ बहिन -भाई के आत्मीय रिश्तों पर केंद्रित अवरुद्ध बेटियों के साथ

दोयम व्यवहार को लेकर बुनी गई कतरा -कतरा देश में पैदा हो रही विघटन की परिस्थितियों पर अपनत्व अपने देश से विदेश में रहकर भी प्यार करने वालों के भाव तथा लिपस्टिक और सिगरेट समाज में महिलाओं से लेंगिक भेदभाव की स्थिति पर लिखी गई लघुकथाओं का प्रभावी पाठ किया। इन लघुकथाओं पर वरिष्ठ साहित्यकार राजश्री शर्मा खंडवा ने मुख्य समीक्षक के रूप में अपनी बात रखते हुए इन लघुकथाओं को गहरी संवेदनाओं से संप्रक्त सामाजिक भावनाओं से भरी लघुकथाएं बताया। आयोजन के आरम्भ में शोध केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने स्वागत उदबोधन दिया,कार्यक्रम का सफल सुमधुर संचालन डॉ.ममता माली मुंबई ने किया, इस आयोजन में डॉ. दिलीप बच्चानी, गोविन्द शर्मा, अनीता रश्मि, डॉ. गिरिजेश सक्सेना, घनश्याम मैथिल अमृत ने भी अपनी महत्वपूर्ण पाठकीय टिप्पणीयां प्रस्तुत की कार्यक्रम के अंत में रचनाकार चित्रा राघव ने सभी का आभार प्रकट किया आयोजन में देश विदेश के अनेक लघुकथा प्रेमी लेखक पाठक उपस्थित थे।

महाप्रबंधक ने हिमांशु अग्रवाल को उत्कृष्ट संरक्षा जागरुकता पुरस्कार से किया सम्मानित

भोपाल। रेल के महाप्रबंधक दिलीप सिंह द्वारा संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सतर्कता एवं त्वरित कार्यवाही के लिए रेलकर्मी हिमांशु अग्रवाल, वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर इटारसी, भोपाल मंडल को उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। खंडवा में मालगाड़ी संचालन के दौरान हिमांशु अग्रवाल ने लोको संख्या 31224 का चार्ज लेने के पश्चात लोड की जांच करते समय वैगन से रिसाव की आवाज सुनकर तत्परता से जांच की। जांच में पाया गया कि रिसाव ब्रेक पाइप व फीड पाइप से नहीं, बल्कि वैगन के ऊपरी भाग में स्थित डोम कवर से हो रहा था। उक्त रेक के 30 वैगनों में पोल गैस लदी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अग्रवाल ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। रिसाव बढ़ने की संभावना के मद्देनजर यात्री गाड़ियों को खंडवा स्टेशन के बाहर रोका गया तथा आवश्यक संरक्षा उपाय किए गए, जिनमें फायर ब्रिगेड की व्यवस्था एवं सप्लाई बंद करना शामिल था। बाद में प्रभावित वैगन को रेक से पृथक कर स्थिति को नियंत्रित किया गया। इनके द्वारा त्वरित गति से की गई सुरक्षात्मक कार्रवाई के कारण रेल परिचालन को सुरक्षित बनाए रखने में बड़ी सफलता मिली है। रेल प्रशासन ने हिमांशु अग्रवाल की सजगता, कर्तव्यनिष्ठा एवं त्वरित निर्णय क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतर्कता से एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाला जा सका। यह सम्मान अन्य रेलकर्मियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है।

मेट्रो एंकर

विधायक रामेश्वर ने कहा- गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा

संतनगर के वार्ड चार में दो करोड़ के विकास कार्यों की शुरुआत

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर वार्ड 4 में विधायक रामेश्वर शर्मा और महापौर मालती राय ने 2 करोड़ की लागत के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया, विधायक शर्मा ने निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता बनाए रखने पर्र हिदायत दी। महापौर राय ने कहा कि नगर निगम शहर के हर वार्ड को आदर्श बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दे वार्ड चार में 2 करोड़ की निधि से पीएनबी बैंक रोड से साधु वासवानी स्कूल तक और बालानी क्लिनिक से गैस राहत अस्पताल तक सीसी रोड का निर्माण। इसके साथ ही निरंकारी मंडल क्षेत्र में भी सीसी रोड बनाई जाएगी।

वार्ड के बेहटा गांव स्थित शमशान घाट की बाउंड्री वॉल, शेड निर्माण और पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य, प्राथमिक शाला के

पास शेड निर्माण, वन ट्री हिल्स हनुमान मंदिर पर शेड और तेजवानी हॉल के पास शेड का निर्माण भी किया जाएगा। गिदवानी पार्क की बाउंड्री वॉल का निर्माण भी किया जाएगा।

भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा ने सख्त लहजे में कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता उच्च स्तर की होनी चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़क बनाते समय जहां सड़की ऊंचाई दुकानों मकानों से ऊपर हो रही है, वहां खुदाई कर सड़क बनाई जानी चाहिए। वहीं, कार्यों की गति को लेकर संवेदनशील रुख अपनाते हुए हिंगोरानी ने कार्य की धीमी गति के कारण जनता को हुई असुविधा के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और विश्वास दिलाया कि अब कार्यों में तेजी लाई जाएगी। महापौर ने की पार्षद के प्रयासों की प्रशंसा महापौर मालती राय ने वार्ड 4 में हो रहे बदलावों को रेखांकित किया।

उन्होंने पार्षद द्वारा वार्ड के विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की प्रशंसा की। साथ ही कहा कि विकास कार्य हमारी जिम्मेदारी है, जिसे निभाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष विनय दादलानी, जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, रमेश जनियानी, नरेंद्र लालवानी, राजू गुलानी, कमल प्रेमचंदानी, प्रवीण प्रेमचंदानी, आजाद सिंह सिसोदिया सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय व्यापारी उपस्थित रहे।

सियासत: एमपी में कांग्रेस संगठन की खुद समीक्षा करेंगे राहुल गांधी

उज्जैन -रीवा संभाग में करेंगे परफॉरमेंस रिव्यू, नियुक्तियों की क्रॉस चेकिंग जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में विधानसभा चुनाव में भले ही ढ़ाई साल का वक्त बाकी हो लेकिन, कांग्रेस अब चुनाव में मजबूती से उतरने के लिए संगठन तैयार करने पर फोकस कर रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी खुद एमपी में संगठन की समीक्षा करेंगे। अगले महीने उज्जैन और रीवा संभाग में वे खुद अब तक के कामों और संगठन की समीक्षा करेंगे।

अगले महीने जून में एमपी के संगठन सृजन अभियान के एक साल पूरे हो रहे हैं। पिछले साल 3 जून को भोपाल के रवीन्द्र भवन से राहुल गांधी ने संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ किया था। इसके बाद कांग्रेस ने देश भर के अलग-अलग नेताओं को पर्यवेक्षक बनाकर जिला अध्यक्षों के नाम चुने गए थे। कैम्पेन की लॉन्चिंग के 74 दिन बाद 16 अगस्त को सभी 71 जिला अध्यक्षों के नामों की घोषणा हुई थी।

रेंडम वेरिफिकेशन कर सकते हैं राहुल

एमपी संगठन में की गई नियुक्तियों के बाद अब राहुल गांधी संभागवार समीक्षा में किसी भी स्तर के पदाधिकारी से सवाल-जवाब कर सकते हैं। राहुल समीक्षा के दौरान किसी भी बूथ समिति, पंचायत, वार्ड समिति में शामिल सदस्य से मोबाइल पर बात करके भी वेरिफिकेशन और अब तक किए गए कामों के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

जिला स्तर से हो रही क्रॉस चेकिंग

अब तक जितनी भी नियुक्तियां हुई हैं। उनकी हर जिले में क्रॉस चेकिंग और वेरिफिकेशन का काम तेजी से किया जा रहा है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी से लेकर हर स्तर के नेता बूथ समिति, पंचायत समिति, वार्ड समिति में शामिल किए गए सदस्यों का वेरिफिकेशन कर रहे हैं।

संगठन सृजन अभियान को हो रहा है एक साल

एक-एक संभाग को किया जाएगा आमंत्रित

संगठन प्रभारी ने बताया कि टीम गठन और प्रशिक्षण पूरा होने के बाद हम राहुल जी को एक-एक संभाग में आमंत्रित करेंगे। यदि राहुल जी पदाधिकारियों की उपलब्ध सूची में से किसी को फोन लगाएं या वहीं पर खड़ाकर सवाल पूछें तो वह व्यक्ति वहां पर मिलना चाहिए। इसी तरह का प्रयास मप्र कांग्रेस कमेटी का है। पहले चरण में रीवा और उज्जैन संभाग में राहुल जी को बुलाने की योजना बनाई है।

रीवा और उज्जैन संभाग की समीक्षा कर सकते हैं राहुल

एमपी कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ संजय कामले ने बताया जिस प्रकार से संगठन सृजन का कार्यक्रम पिछले एक साल से चला आ रहा था वो लगभग पूर्णता की ओर है। कांग्रेस की सभी कमेटियां लगभग बन चुकी हैं। हमारे विधानसभा प्रभारी अपनी विधानसभाओं में सभी समितियों का भौतिक सत्यापन कर रहे हैं। ताकि हमें यह पता चल सके कि जिनकी नियुक्तियां हमने की हैं जिलाध्यक्ष, विधायक या अन्य लोगों ने जो नियुक्तियां करवाईं हैं वो कितनी सही है जो पदाधिकारी हैं उनके सत्यापन के साथ ही अब हम उनका प्रशिक्षण करने जा रहे हैं। दो दिनों का प्रशिक्षण मंडलम स्तर तक पहले चरण में होगा। इसमें प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और वरिष्ठ नेतागण समयानुसार शामिल हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन और एमओयू से फिल्म पर्यटन को मिली नई उड़ान

ग्लोबल सिनेमा के पर्दे पर चमकता मप्र, 80 से अधिक देशों में दिखेगी संस्कृति और विरासत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के ग्रामीण पर्यटन और समृद्ध सांस्कृतिक वैभव को अब वैश्विक मंच पर एक नई और विशिष्ट पहचान मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी विजन और नेतृत्व में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश तेजी से एक ग्लोबल फिल्मिंग हब के रूप में स्थापित हो रहा है। इसी कड़ी में स्पेन के प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस 'कलर्स कम्युनिकेशन ग्रुप' द्वारा निर्मित अंतर्राष्ट्रीय टेलीविजन सीरीज़ रूरल टूरिज्म ऑफ द वर्ल्डकी शूटिंग प्रदेश के विभिन्न पर्यटन अंचलों में हुई। इस गौरवशाली पहल से मध्यप्रदेश की अनूठी जीवन शैली और पर्यटन स्थलों का प्रदर्शन दुनिया के 80 से अधिक देशों में किया जाएगा, जिससे राज्य की पर्यटन संभावनाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई उड़ान मिलेगी। अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट के तहत छिंदवाड़ा जिले की नैसर्गिक सुंदरता और यहां की जीवंत जनजातीय संस्कृति ने स्पेनिश फिल्म क्रू को गहराई से प्रभावित किया है। टीम ने जिले के सावरवानी, धूसावानी, चिमटीपुर और तामिया क्षेत्र में प्रवास कर ग्रामीण जीवन, स्थानीय परंपराओं और पातालकोट की विशिष्ट जीवन शैली को कैमरे में कैद किया। विशेष रूप से पातालकोट में संपन्न जनजातीय विवाह की पारंपरिक रस्मों और प्राकृतिक सौंदर्य का फिल्मांकन किया गया है। स्पेनिश डायरेक्टर जुआन फ्रूटोस ने धूसावानी होमस्टे में मिले आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए कहा कि यदि कोई वास्तविक भारत की जड़ों को जानना चाहता है, तो उसे मध्यप्रदेश के इन गांवों का अनुभव अवश्य लेना चाहिए।

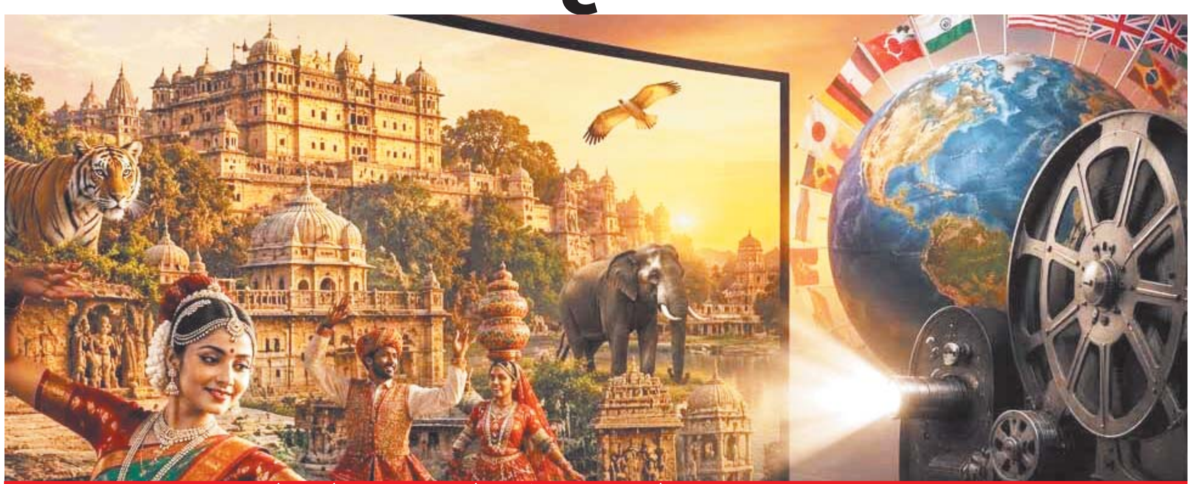

स्पेन में हुए एमओयू के मिल रहे सकारात्म परिणाम

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि इसी वर्ष जनवरी-2026 में स्पेन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मेले FITUR मैड्रिड 2026 के दौरान हुए रणनीतिक समझौतों और एमओयू का सुखद परिणाम है। पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी. और अपर प्रबंध संचालक श्री अभय अरविंद बेडेकर के मार्गदर्शन में प्रदेश को एक फिल्म फ्रेंडली डेस्टिनेशन के रूप में वैश्विक पटल पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इस सीरीज़ में न केवल ग्रामीण संस्कृति, बल्कि सांची स्तूप, भीमबेटका की गुफाएं, सतपुड़ा नेशनल पार्क और उज्जैन के श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग जैसी ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक धरोहरों को भी शामिल किया गया है, जो प्रदेश के बहुआयामी पर्यटन वैभव को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेंगी।

मध्यप्रदेश बनेगा ग्लोबल फिल्मिंग हब

इस वैश्विक पहल से न केवल मध्यप्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडिंग सुदृढ़ होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार, होमस्टे और हस्तशिल्प जैसी गतिविधियों को भी भारी प्रोत्साहन मिलेगा। कलेक्टर छिंदवाड़ा श्री हरेंद्र नारायन एवं जिला प्रशासन के समन्वय से संपन्न हुई यह शूटिंग राज्य को विश्व सिनेमा के मानचित्र पर एक जीवंत और सांस्कृतिक कैनवास के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। आने वाले समय में ऐसे अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स से मध्यप्रदेश का पर्यटन क्षेत्र नई ऊंचाइयों को छुएगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा शूटिंग के लिए आवश्यक अनुमति, लॉजिस्टिक सहयोग, सुरक्षा व्यवस्था और ऑन-ग्राउंड समन्वय उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पहल राज्य को फिल्म फ्रेंडली डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। बीते कुछ वर्षों में मध्यप्रदेश ने फिल्म पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। बॉलीवुड फिल्मों, वेब सीरीज़ और अंतर्राष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री प्रोजेक्ट्स के लिए प्रदेश लगातार पसंदीदा लोकेशन बन रहा है।

मप्र में 1.20 लाख पद डाइंग कैडर घोषित

अब इन पदों पर नहीं होंगी नई भर्तियां, सिर्फ नियमित और संविदा पदों पर ही भर्ती

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सामान्य प्रशासन विभाग ने अब प्रदेश के 1 लाख 20 हजार पदों को डाइंग कैडर घोषित कर दिया है। यानी इन पदों पर नई भर्तियां नहीं होंगी। कैबिनेट ने कार्यभारित, आकस्मिकता निधि और संविदा, कोटवार श्रेणी के पद समाप्त करने का फैसला किया था। इस पर अमल के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा है कि अगर किसी विभाग या कलेक्टर, विभाग अध्यक्ष ने इन पदों पर नियुक्तियां की तो उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। सरकार का दावा है कि वित्तीय बोझ कम करने के लिए यह फैसला लिया है।

अब सिर्फ नियमित और संविदा पदों पर भर्ती

सामान्य प्रशासन विभाग के इस आदेश से अब साफ हो गया है कि प्रदेश में अब सिर्फ नियमित और संविदा पदों पर ही भर्ती की जाएगी। दूसरे सभी कैडर के पदों को खत्म कर दिया गया है। इन पदों पर अब भविष्य में कोई नई भर्ती नहीं की जाएगी। कार्यभारित पद सड़क, सिंचाई और भवन निर्माण जैसी परियोजनाओं के लिए अस्थायी रूप से बनाए जाते थे। आकस्मिकता निधि कर्मचारियों का वेतन अस्थायी खर्च के लिए निर्धारित निधि से दिया जाता था। संविदा, कोटवार पद पर निश्चित अवधि के अनुबंध के आधार पर नियुक्तियां की जाती थीं। आदेश में स्पष्ट कहा है कि यदि इन समाप्त पदों पर नियमों के विरुद्ध नियुक्ति की गई, तो संबंधित कलेक्टर, कमिश्नर या विभागाध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस कैटेगरी के इतने पद हुए खत्म

जिन पदों को खत्म किया है उसमें कार्यभारित श्रेणी के 16,810 पद, आकस्मिकता निधि के 55,808 पद, संविदा और कोटवार श्रेणी के 34,497 पद शामिल हैं। इसके साथ ही नियमित पदों पर काम कर रहे आउटसोर्स कर्मचारियों को मार्च 2027 तक हटाने और उनकी जगह नियमित भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

म.प्र. में नागरिकों ने सर्वेक्षण में दर्ज कराए 19 लाख से अधिक फीडबैक

सभी नागरिक क्यूआर कोड स्केन कर स्वच्छता सर्वेक्षण फीडबैक में करें सहभागिता : भोंडवे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नगरीय विकास एवं आवास आयुक्तसंकेत भोंडवे ने कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में मध्यप्रदेश अपनी संकल्पबद्धता और जन-सहयोग के अनूठे संगम के साथ अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के कुल 406 नगरीय निकायों में स्वच्छता के प्रति जो उत्साह और चेतना जाग्रत हुई है, उसका प्रत्यक्ष प्रमाण नागरिकों द्वारा अब तक दर्ज कराए गए 19 लाख से अधिक फीडबैक हैं। यह संख्या न केवल नागरिकों की अपनी शहर की स्वच्छता के प्रति सजगता को दर्शाती है, बल्कि यह प्रदेश की उस सामूहिकता का भी परिचायक है जो मध्यप्रदेश को स्वच्छता के शिखर पर बनाए रखने के लिए तत्पर है। विभाग द्वारा इस विशाल जन-समर्थन को एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जो आगामी रैंकिंग में प्रदेश के शहरों की स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा। नागरिकों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त दिये गये क्यूआर कोड को स्केन कर स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में अपना फीडबैक दर्ज करे। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के सर्वेक्षण की सबसे अभिनव और क्रांतिकारी विशेषता इसकी मूल्यांकन प्रणाली में किया गया मूलभूत परिवर्तन है, जिसमें नागरिक फीडबैक और जन-शिकायत निवारण (ग्रीवांस रिड्रेसल) को मुख्य आधार बनाया गया है। पूर्ववर्ती सर्वेक्षणों की तुलना में इस बार रैंकिंग की गणना में नागरिकों की प्रतिक्रिया और उनकी शिकायतों के त्वरित व प्रभावी समाधान को अत्यधिक महत्व और वेटेज प्रदान किया गया है।

छतरपुर में प्रशासन और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प, जेसीबी और चार कारें तोड़ीं

छतरपुर। केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत विस्थापित होने वाले गांव ढोड़न में बुधवार को प्रशासन और ग्रामीणों के बीच खूनी संघर्ष की स्थिति बन गई। भारी पुलिस बल के साथ पहुंची राजस्व और वन विभाग की संयुक्त टीम ने जैसे ही गांव के बाहरी हिस्से में घरों पर बुलडोजर चलाना शुरू किया, ग्रामीण भड़क उठे। 200 पुलिस जवानों के मुकाबले करीब 500 ग्रामीणों ने मोर्चा संभाल लिया और टीम पर पथराव शुरू कर दिया। पथराव इतना तीव्र था कि पुलिस को पीछे हटना पड़ा। इस दौरान ग्रामीणों ने मौके पर छूटी एक जेसीबी मशीन और एडिशनल एसपी व तहसीलदार के वाहनों सहित चार कारों में जमकर तोड़फोड़ की।

श्वेत क्रांति: 10 साल में 3 गुना दूध उत्पादन

विदेशी गायों के मुकाबले देसी नस्ल के दूध देने की क्षमता 41 फीसदी बढ़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में श्वेत क्रांति की एक नई तस्वीर उभर रही है, जहां खूंटे पर बंधी देशी गायें अब दूध उत्पादन की रफ्तार में विदेशी नस्लों को कड़ी टक्कर दे रही हैं। बीते एक दशक में राज्य का दूध उत्पादन तीन गुना से भी अधिक हो गया है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत गांव-गांव पहुंचे मुफ्त टीकाकरण, उन्नत खानपान और बेहतर पशु प्रबंधन का ही असर है कि 10 साल पहले जो देशी गाय रोजाना औसतन 2.8 किलो दूध देती थी, उसकी क्षमता अब बढ़कर करीब 4 किलो पहुंच गई है। खास बात यह है कि उत्पादन सुधार की यह गति विदेशी और

क्रॉसब्रिड गायों के मुकाबले कहीं ज्यादा तेज है। पिछले दशक में जहां विदेशी नस्ल की गायों की क्षमता 15 प्रतिशत बढ़ी, वहीं देशी नस्ल ने 41 प्रतिशत की रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज की है। हालांकि, दूध की मात्रा के लिहाज से विदेशी गायें अब भी औसतन 9.20 किलो के साथ आगे बनी हुई हैं। वहीं भैंस का औसत दूध उपज 4.45 किग्रा/दिन से बढ़कर 5.28 किग्रा/दिन पर पहुंच गया है।

3054 हजार टन के पार पहुंचा दूध उत्पादन

पिछले 10 वर्षों में राज्य का कुल दूध उत्पादन 889.94 हजार टन से तीन गुना से भी अधिक बढ़कर 3054.45 हजार टन के पार पहुंच गया है। इस उपलब्धि के पीछे पशुधन की बढ़ती संख्या और बेहतर प्रबंधन है। 20वीं पशुधन गणना के अनुसार, प्रदेश में कुल गौवंश की संख्या अब 1.87 करोड़ हो गई है, जिसमें देशी गायों की आबादी 2012 के 1.06 करोड़ से बढ़कर अब 1.10 करोड़ पर पहुंच गई। इसी तरह भैंसों की संख्या भी बढ़कर 1.03 करोड़ दर्ज की गई है।

जबलपुर बरगी क्रूज हादसा

हादसे से दो महीने पहले ही इंजन खराब होने की दी गई थी चेतावनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जबलपुर के बरगी डैम में 30 अप्रैल को हुए दर्दनाक क्रूज हादसे में 13 लोगों की मौत के बाद अब कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। शुरुआती जांच और दस्तावेजों से संकेत मिल रहे हैं कि यह हादसा केवल प्राकृतिक परिस्थितियों का नतीजा नहीं था, बल्कि लंबे समय से चली आ रही तकनीकी लापरवाही और चेतावनियों को नजरअंदाज करने का परिणाम हो सकता है। अब खुलासा हुआ है कि क्रूज का इंजन में खराबी थी। जानकारी के मुताबिक हादसे से करीब दो महीने पहले, 1 मार्च 2026 को बरगी स्थित मैकल रिसोर्ट के मैनेजर ने मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र लिखकर क्रूज की खराब स्थिति को लेकर आगाह किया था। पत्र में उल्लेख किया गया था कि 14 जनवरी 2025 को संचालन के दौरान क्रूज के दोनों इंजन अचानक बंद हो गए थे, जिसके कारण तेज हवाओं और लहरों के बीच क्रूज पानी में फंस गया था। बाद में स्पीड बोट की मदद से उसे किनारे लाया गया। पत्र में यह भी बताया गया था कि क्रूज के एक इंजन को स्टार्ट करने में लगातार दिक्कत आ रही थी। कई बार क्रूज सेवाएं बंद करनी पड़ती थीं, जिससे पर्यटकों में नाराजगी बढ़ रही थी। मैनेजर ने स्पष्ट रूप से लिखा था कि वर्तमान में संचालित ÷मैकल सुता÷ क्रूज के इंजन का तत्काल सुधार या बदलाव जरूरी है।

मेट्रो एंकर

उज्जैन का 'चैंपियन डिस्ट्रिक्ट' के रूप में चयन

भगवान महाकाल की नगरी अब बनेगी 'ग्लोबल टेक्सटाइल हब'

वर्ष 2030 तक यहां से 5000 करोड़ के टेक्सटाइल निर्यात का लक्ष्य

पिछले 11 महीनों में जिले से 2070 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

धर्मनगरी उज्जैन अब औद्योगिक और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। केंद्र सरकार की 'टेक्सटाइल्स फॉर ग्लोबल मार्केट' पहल के तहत उज्जैन को 'चैंपियन डिस्ट्रिक्ट' के रूप में चयनित किया गया है। इसके साथ ही वर्ष 2030 तक जिले से 5000 करोड़ रुपये के टेक्सटाइल निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है।

कलेक्टोरेट में आयोजित 'डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट एक्शन प्लान' की उच्च स्तरीय बैठक में इस विजन को जमीन पर उतारने की रणनीति पर मंथन हुआ। स्पष्ट किया कि उज्जैन का टेक्सटाइल सेक्टर अब केवल स्थानीय उद्योग नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से उभरती ताकत बन चुका है।

उज्जैन के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार बनकर उभरा है- पिछले 11 महीनों में जिले से 2070 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ, जिसमें करीब 700 करोड़ रुपये का योगदान टेक्सटाइल सेक्टर का रहा। विस्कोस रेयान स्टेपल फाइबर, अंडरगारमेंट्स और काटन टी-शर्ट्स जैसे उत्पादों की वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है। अमेरिका उज्जैन का सबसे बड़ा बाजार बनकर उभरा है, जहां जिले के कुल निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा भेजा जा रहा है।

तुर्की, चीन, नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों में भी उज्जैन के उत्पादों की मजबूत उपस्थिति दर्ज हो रही है। अध्यक्षता एमपीआइडीसी के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ ने की। उद्योग प्रतिनिधियों ने उज्जैन में मल्टी-स्टोरी टेक्सटाइल पार्क विकसित करने का प्रस्ताव रखा, जहां उत्पादन, पैकेजिंग, डिजाइनिंग और सप्लाई चेन की सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हों।

विशेषज्ञों का मानना है कि इससे उत्पादन लागत घटेगी, निर्यात गुणवत्ता बेहतर होगी और छोटे उद्योगों को भी वैश्विक बाजार से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस पूरी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू महिला कार्यबल को केंद्र में रखना है।

टेक्सटाइल सेक्टर में महिलाएं बनेंगी 'ब्रांड एंबेसडर'

टेक्सटाइल सेक्टर में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए उन्हें 'ब्रांड एंबेसडर' के रूप में जोड़ने की योजना बनाई जा रही है। इससे रोजगार के नए अवसर खुलेंगे और उज्जैन का औद्योगिक विकास सामाजिक समावेशन का माडल भी बन सकेगा। प्रशासन अब स्थानीय उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन, गुणवत्ता मानकों और निर्यात प्रक्रियाओं से जोड़ने के लिए नियमित वर्कशाप और तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा।

प्रश्नपत्रों का बाजार

देश में इन दिनों एक अजीब विडंबना जन्म ले चुकी है। जिन परीक्षाओं को कभी प्रतिभा का उत्सव माना जाता था, वे अब अविश्वास की अदालत बनती जा रही हैं। नीट- यूजी परीक्षा का रद्द होना केवल एक प्रशासनिक घोषणा नहीं, बल्कि उस टूटते भरोसे की आवाज है, जिसे लाखों विद्यार्थियों ने अपनी आंखों में संजो रखा था। हर वर्ष गांवों की कच्ची गलियों से लेकर महानगरों के कोचिंग संस्थानों तक, लाखों युवा सफेद कोट पहनने का सपना देखते हैं। कोई पिता खेत बेचता है, कोई मां अपने गहने गिरवी रखती है, तो कोई छात्र रातों की नींद और उम्र की सबसे खूबसूरत घड़ियां किताबों के हवाले कर देता है। लेकिन जब परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र बाजारों में घूमने लगें, तब मेहनत का मूल्य और ईमानदारी का अर्थ दोनों घायल हो जाते हैं। यह केवल एक पेपर लीक नहीं है। यह उस व्यवस्था के चेहरे पर लगा धब्बा है, जो युवाओं से मेहनत मांगती है, लेकिन बदले में उन्हें निष्पक्षता तक नहीं दे पाती। दुखद यह भी है कि ऐसे मामले अब अपवाद नहीं रहे। भर्ती परीक्षाएं हों, शिक्षक चयन हो या अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं-लगातार सामने आ रही गड़बड़ियां यह संकेत देती हैं कि कहीं न कहीं व्यवस्था की आत्मा में ही दीमक लग चुकी है। सरकारें कानून बनाती हैं, जांच एजेंसियां सक्रिय होती हैं, बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन हर नए घोटाले के बाद जनता के हिस्से में केवल आश्वासन आता है। जैसे किसी टूटे हुए बांध पर बार-बार मिट्टी डालकर उसे मजबूत बताने की कोशिश की जा रही हो। सवाल यह है कि आखिर इतनी संवेदनशील परीक्षाओं की सुरक्षा बार-बार क्यों विफल हो रही है? क्या तकनीक कमजोर है, या नीयत? दरअसल, समस्या केवल अपराधियों की नहीं, उस सामाजिक व्यवस्था की भी है जिसने सफलता को जीवन-मरण का प्रश्न बना दिया है। सीमित सीटों के इस युद्ध में बच्चे अब विद्यार्थी कम और प्रतियोगिता के सैनिक अधिक दिखाई देते हैं। जब सपनों का भार असहनीय हो जाए, तब बेईमानी के कारोबारियों के लिए रास्ते अपने आप खुलने लगते हैं। आज जरूरत केवल दोषियों को पकड़ने की नहीं, बल्कि उस भरोसे को पुनर्जीवित करने की है, जो धीरे- धीरे खत्म होता जा रहा है। क्योंकि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके युवा होते हैं। यदि उनकी मेहनत को ही व्यवस्था सुरक्षा न दे सके, तो आने वाली पीढ़ियां किताबों से ज्यादा शॉर्टकट पर विश्वास करने लगेंगी।

नीट पेपर लीक मामला, परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर उठते गंभीर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

भारत की प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था केवल प्रवेश की प्रक्रिया नहीं बल्कि सामाजिक न्याय, अवसर और प्रतिभा-परीक्षण का आधार है। जब राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा को लेकर अनियमितता, संदिग्धता या रद्दीकरण की स्थिति बनती है तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती बल्कि लाखों विद्यार्थियों का भरोसा, समय और मानसिक संतुलन भी टूटता है। परीक्षा किसी तकनीकी आयोजन भर का नाम नहीं है; यह उस भरोसे का प्रतीक है जिसमें राज्य यह सुनिश्चित करता है कि परिश्रम, योग्यता और तैयारी का उचित मूल्य मिलेगा। इसलिए परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता किसी भी लोकतांत्रिक शिक्षा-व्यवस्था की रीढ़ होती है।

नीट जैसे मामलों में सबसे चिंताजनक तथ्य केवल यह नहीं कि कोई एक घटना घट गई बल्कि यह है कि ऐसी घटनाएँ बार-बार क्यों सामने आती हैं। जब कोई राष्ट्रीय परीक्षा संदेह के घेरे में आती है, तो पूरा सार्वजनिक विश्वास डगमगाने लगता है। विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक, कोचिंग संस्थान और प्रशासन, सभी एक ऐसे प्रश्न से जूझते हैं जिसका उत्तर केवल प्रेस विज्ञप्तियों से नहीं मिल सकता। प्रश्न यह है कि क्या हमारी परीक्षा-व्यवस्था वास्तव में इतनी मजबूत है कि वह पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुरक्षा—तीनों मोर्चों पर एक साथ टिक सके? यदि नहीं तो समस्या केवल एक परीक्षा की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की है।

परीक्षा-व्यवस्था का संकट अचानक पैदा नहीं होता। यह उन छोटी-छोटी कमजोरियों से बनता है जिन्हें समय रहते ठीक नहीं किया जाता। प्रश्नपत्र निर्माण की प्रक्रिया, गोपनीय सामग्री का संरक्षण, लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, तकनीकी सत्यापन, पहचान-प्रक्रिया और उत्तर-पत्रों की हैंडलिंग—इन सभी स्तरों पर यदि एक भी कड़ी कमजोर हो जाए, तो पूरी व्यवस्था संदेह के घेरे में आ सकती है। आधुनिक समय में परीक्षा केवल कागज-कलम का आयोजन नहीं रह गयी है; वह सूचना, सुरक्षा और नियंत्रण के अत्यंत जटिल नेटवर्क से जुड़ी प्रणाली बन चुकी है। इसलिए किसी भी स्तर पर हुई लापरवाही का सीधा प्रभाव छात्रों के भविष्य पर पड़ता है।

यह भी समझना होगा कि परीक्षा-प्रणाली में भरोसा केवल पारदर्शिता से नहीं बनता बल्कि निरंतरता से बनता है। यदि विद्यार्थी को यह आश्वासन न हो कि उसकी मेहनत का मूल्य स्थिर और सुरक्षित है, तो उसकी तैयारी अनिश्चितता में बदल जाती है। एक ईमानदार छात्र परीक्षा केंद्र तक पहुँचने से पहले ही मन में कई प्रश्न लेकर आता है- क्या प्रश्नपत्र सुरक्षित रहेगा? क्या कोई अनुचित लाभ नहीं ले जाएगा? क्या पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष होगी? जब ऐसे प्रश्न सामान्य हो जाएँ, तब समझ लेना चाहिए कि संकट केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। शिक्षा का मूल उद्देश्य अवसर की समानता है, और यदि वही कमजोर पड़ जाए, तो व्यवस्था अपने उद्देश्य से भटक जाती है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा जैसी परीक्षा में यह चिंता और अधिक गंभीर हो जाती है, क्योंकि यह केवल एक पेशेवर प्रवेश-परीक्षा नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के सामाजिक-आर्थिक सपनों का केंद्र है। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र, निम्न-मध्यम वर्ग के अभ्यर्थी और छोटे शहरों के युवा सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी योग्यता के बल पर आगे बढ़ने का सपना देखते हैं। लेकिन जब परीक्षा की शुचिता पर प्रश्न उठते हैं, तब सबसे अधिक नुकसान इन्हीं विद्यार्थियों का होता है। जिनके पास प्रभाव, संसाधन या नेटवर्क है, वे कई बार व्यवस्था की कमजोरियों से निकल जाते हैं; पर जिनके पास केवल मेहनत है, वे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इसलिए परीक्षा की पारदर्शिता केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। परीक्षा-व्यवस्था का संकट विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पहले ही अत्यधिक तनावपूर्ण होती है। छात्र लंबे समय तक कठोर अनुशासन, सीमित सामाजिक जीवन, पारिवारिक अपेक्षाओं और भविष्य की अनिश्चितता के बीच रहते हैं। जब ऐसी स्थिति में परीक्षा का भविष्य ही संदिग्ध हो जाए तो मानसिक दबाव कई गुना बढ़ जाता है। कुछ विद्यार्थी हताश हो जाते हैं, कुछ अपनी रणनीति बार-बार बदलते हैं, और कुछ गहरे अवसाद में भी चले जाते हैं। इसलिए परीक्षा-प्रशासन को यह समझना चाहिए कि वह केवल तिथियाँ घोषित करने या केंद्र स्थापित करने का काम नहीं कर रहा बल्कि युवाओं के भविष्य का भरोसा संभाल रहा है।

भारत को अब ऐसी परीक्षा संस्कृति की आवश्यकता है जिसमें छात्र को शक नहीं, सुरक्षा का अनुभव हो; जिसमें प्रशासन केवल आदेश देने वाला नहीं बल्कि उत्तरदायी संरक्षक बने; और जिसमें पारदर्शिता केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हर प्रक्रिया में दिखाई दे। यही वह मार्ग है जिससे शिक्षा-व्यवस्था पर लौटता विश्वास संभव हो सकता है। यदि सुधार अभी नहीं किए गए, तो हर नई परीक्षा पुराने संदेहों की पुनरावृत्ति बनती रहेगी। और जब भरोसा बार-बार टूटता है, तो केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि एक पीढ़ी का आत्मविश्वास भी आहत होता है। इसलिए नीट संकट को केवल एक घटना मानकर भूल जाना समाधान नहीं होगा। इसे एक चेतावनी की तरह समझना होगा। यह चेतावनी है कि यदि परीक्षा-व्यवस्था को तकनीकी चमक, औपचारिक घोषणाओं और तात्कालिक प्रतिक्रियाओं के भरोसे छोड़ दिया गया, तो भविष्य में संकट और गहरे होंगे। अब समय आ गया है कि परीक्षा-व्यवस्था को केवल नियंत्रण का नहीं, बल्कि न्याय, विश्वास और जवाबदेही का संस्थान बनाया जाए। यही सुधार आने वाली पीढ़ियों के लिए आवश्यक है और वर्तमान विद्यार्थियों के प्रति राज्य की नैतिक जिम्मेदारी भी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

दूरगामी सोच को दर्शाती है प्रधानमंत्री की बचत को बढ़ावा देने की अपील

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
स्तंभकार

ऐसा नहीं है कि भारत विदेशी मुद्रा मामले में संकट में हो बल्कि वास्तविकता यह है कि 10 अप्रैल, 2026 के आंकड़ों की ही बात करें तो भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार आज उच्चतम स्तर पर है। 700 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भण्डार भारत के पास है। एक अनुमान के अनुसार आगामी 11 माह से अधिक समय तक आयात मांग की पूर्ति इस राशि से आसानी से हो सकती है। विदेशी मुद्रा भण्डार से एफसीए यानी कि विदेशी मुद्रा संपत्ति, स्वर्ण भण्डार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में आरक्षित राशि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। इसके सबके बावजूद भविष्य के संभावित संकट के हालातों से निपटने की आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाती है तो यही दूरदृष्टि कहलाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भविष्य के वैश्विक हालात साफ दिखाई दे रहे हैं। इसमें सुधार की संभावना निकट भविष्य में दिखाई भी नहीं दे रही है। ऐसे में उन्होंने देशवासियों से केवल एक वर्ष के लिए अनावश्यक खर्चों में कटौती का आग्रह किया है। इसमें ईंधन बचाना, सोना नहीं खरीदने, विदेशी यात्राओं व विदेशों में शादी नहीं करने, खाने के तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत तक की कटौती व खेती में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक की कटौती का सुझाव प्रमुख है। प्रधानमंत्री के देशवासियों से आग्रह को आलोचक भले मुद्दा बनाने का प्रयास करें पर वैश्विक हालात आज सबके सामने है। देशवासियों को मालूम है कि पेट्रोलियम उत्पादों इनमें कच्चे तेल से लेकर गैस आदि शामिल है, उसके लिए आयात पर निर्भरता अधिक है। देश में 979 अरब अमेरिकी डॉलर का सालाना आयात होता है जिसमें करीब 38 प्रतिशत आयात केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर हो रहा है। सोना-चांदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ फर्टिलाइजर के मामले में भी विदेशों पर निर्भरता अधिक है। करीब 10 प्रतिशत राशि सोने के आयात पर खर्च होती है। यदि समग्र रुप से देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के सिकन्दराबाद से देशवासियों से जो आग्रह किया है वह ऐसा नहीं है जो किसी भी तरह से देशवासियों के लिए दुविधाजनक हो।

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनॉमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की ओर चला जाता है। ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के सीज़फायर के आसार अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं तो दूसरी ओर दोनों पक्षों की हठधर्मिता के कारण हार्मुज जलडमरुमध्य से परिवहन बाधित होने का परिणाम दुनिया के देशों के सामने है। दुनिया के देशों को यह समझ लेना होगा कि अमेरिका-ईरान युद्ध केवल दो या तीन देशों के बीच सीमित ना होकर इसके असर से आज कोई देश अछूता नहीं है। यह दो देशों की अहम की लड़ाई न होकर समूची मानवता को प्रभावित करने वाले हालात हैं।

आज दुनिया के देशों की एक-दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। बिना किसी अन्य देश के सहयोग के कोई भी देश अपने स्तर पर अपने देशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से आज दुनिया एक विश्व ग्राम में परिवर्तित हो गयी है। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आज ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल संकट का हल निकल भी आता है तब भी वैश्विक हालात सामान्य होने में लंबा समय लग जाएगा। युद्धरत देश यह समझने की कोशिश नहीं कर रहे कि उनके चलते दुनिया आज सालों पीछे जा रही है। विकास बाधित हो रहा है, आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं और हालात दिन-प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं। सबको मालूम है कि अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते रास्ता अवरुद्ध होने के कारण आज कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का आयात प्रभावित है। हार्मुज का रास्ता अवरुद्ध है। हालात की गंभीरता इसी से समझी जा सकती है कि ईरान को प्रतिदिन 2800 करोड़ रुपए के कच्चे तेल को समुद्र में बहाना पड़ रहा है। तेल उत्पादक अन्य देश भी संकट के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी लाने, सार्वजनिक परिवहन वाहनों के उपयोग और वाहन पूलिंग का एक साल का सुझाव या आग्रह दूरदृष्टिपूर्ण व देशहित में माना जाना चाहिए। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग का बढ़ावा देना भविष्य के पर्यावरण संकट से बचाव और हरित उर्जा को बढ़ावा देने में ही सहायक हो सकेगा। हमारे देश में सोने की खरीद के प्रति खास मोह रहा है पर हालात को देखते हुए व्यापक राष्ट्रहित में एक साल के लिए सोना नहीं खरीदें तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। उसी प्रकार केवल शान-ओ-शौकत के लिए विदेशी यात्रा करने से बचने की सलाह और विदेशों में शादी करने के स्थान पर स्थानीय पर्यटन और देश में ही एक से एक बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशंस पर शादी करने से जहां खर्च कम होगा, देश के डेस्टिनेशनों की वैश्विक पहचान के साथ विदेशी पूंजी भी बचेगी। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से खेती और खेतों की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने से आज देश दो चार हो रहा है। जैविक खाद और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने का आग्रह निश्चित रुप से सकारात्मक ही है। जहां तक मीटिंग्स का प्रश्न है, कोविड के बाद से सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर अधिकांश मीटिंग्स अब हाईब्रीड मोड पर ही होने लगी है। वर्क फ्रॉम होम को अवश्य प्रोत्साहित किया जा सकता है।

लब्बोलुआब यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से जो आग्रह किया है उनमें से एक भी ऐसा आग्रह नहीं है जिससे हमारी जीवनचर्या प्रभावित हो रही हो। सीधे-सीधे एक साल के लिए अपनी आदत व आवश्यकताओं में जरुरी बदलाव के लिए कहा जा रहा है ताकि वैश्विक संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था व देश के आमलोगों को प्रभावित ना कर सके। एक साल सोना नहीं खरीदने या ईवी वाहन या सार्वजनिक वाहन का उपयोग या विदेशों में शादी आदि कार्यक्रम आयोजित ना करने या विदेश घूमने नहीं जाने से कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला है। इन सबसे बचने से देश वैश्विक हालातों का अधिक कुशलता से मुकाबला कर सकेगा और सबसे बड़ी बात कि स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

हार्मोनल बैलेंस के लिए बेस्ट है फाइटोएस्ट्रोजन डाइट, मात्रा का रखें ध्यान

आजकल लोग हेल्दी रहने के लिए प्लांट-बेस्ड न्यूट्रिशन को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। इसी वजह से फाइटोएस्ट्रोजन डाइट और अंकुरित अनाज पॉपुलर हो गए हैं। दोनों को हेल्दी और सेहत के लिए लाभकारी माना जाता है। लेकिन इनका सेवन सही मात्रा और सही तरीके से करना जरूरी है। फाइटोएस्ट्रोजन डाइट और अंकुरित अनाज के अधिक या गलत उपयोग से नुकसान भी हो सकता है।

फाइटोएस्ट्रोजन पौधों में पाए जाने वाले नेचुरल कंपाउंड हैं। इनकी संरचना शरीर में बनने वाले हार्मोन एस्ट्रोजन जैसी होती है। इसलिए ये शरीर में हार्मोन की गतिविधियों को प्रभावित कर सकते हैं। हमारे भोजन में मौजूद कुछ चीजों में फाइटोएस्ट्रोजन पाया जाता है। इन्हें नियमित रूप से डाइट में शामिल करने से फाइटोएस्ट्रोजन का लाभ लिया जा सकता है। फाइटोएस्ट्रोजन युक्त खाद्य पदार्थों में सोया प्रोडक्ट्स (टोफू, सोया मिल्क), फ्लैक्स सीड्स, तिल, चना, मसूर, ओट्स, जामुन, बादाम और अखरोट जैसी चीजें शामिल हैं। इन चीजों में हार्मोनल बैलेंस और पूरे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के गुण होते हैं इसलिए फाइटोएस्ट्रोजन डाइट को फायदेमंद माना जाता है। कई लोग इन चीजों को डेली डाइट में शामिल करते हैं।

फाइटोएस्ट्रोजन डाइट सेहतमंद बनाए रखने के साथ-साथ कई रोगों से भी बचाव करती है, जैसे-

हार्मोनल बैलेंस में मदद: महिलाओं में मेनोपॉज के दौरान शरीर में एस्ट्रोजन कम होने लगता है। इससे हॉट फ्लैश, चिड़चिड़ापन और मूड बदलने जैसी समस्याएं होती हैं। फाइटोएस्ट्रोजन डाइट इन लक्षणों को कुछ हद तक कम करने में मदद कर सकती है। मेनोपॉज के दौरान तली हुई चीजें, कोल्ड ड्रिंक्स, चिप्स, शराब, कैफीन, बहुत मीठी या नमकीन चीजें खाने से परहेज करें। हेल्दी डाइट लें। इससे आपको मेनोपॉज के दौरान होने वाली तकलीफों से आराम मिलेगा।

हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाए: फाइटोएस्ट्रोजन डाइट में फाइबर और अच्छे पोषक तत्व होते हैं जो खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकते हैं। इससे दिल के रोग का खतरा कम हो सकता है।

हड्डियों की मजबूती में सहायक- उम्र बढ़ने के बाद खासकर महिलाओं की हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। फाइटोएस्ट्रोजन हड्डियों की मजबूती बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं।

पाचन में सुधार करे: चना, दालें और बीजों में फाइबर अधिक होता है। इससे कब्ज कम होती है और पाचन तंत्र बेहतर काम करता है। जिन लोगों को ब्रेस्ट कैंसर या अंडाशय से जुड़ी हार्मोन-सेंसिटिव बीमारियां हैं, उन्हें एक्सपर्ट की सलाह के बिना अधिक मात्रा में फाइटोएस्ट्रोजन नहीं लेना चाहिए। बहुत ज्यादा सोया प्रोडक्टस खाने से कुछ लोगों में थायरॉइड की समस्या बढ़ सकती है।

निशाना

जंग के और कितने मैदान ..!

कुमार अखिलेश

जंग के और कितने मैदान अभी बाकी है,
युद्ध के और कितने ऐलान अभी बाकी है।
दुनिया बनती जा रही है कब्रिस्तान,
और यहां कितने श्मशान अभी बाकी है।
कहीं है लाचारी, कहीं बेबसी का मंजर है,
और इसके कितने निशान अभी बाकी है।
पूरी दुनिया झुलस रही है युद्ध की आग से,
और होने को कितने नुकसान अभी बाकी है।
मिटाने पर तुले है इंसानियत को जो आज,
दुनिया में और कितने शैतान अभी बाकी है।
मर रहें है हजारों लोग युद्धों में हर दिन,
मिटने को और कितने इंसान अभी बाकी है।
अब तलक यह सिलसिला चलता रहेगा,
कितने इजरायल और ईरान अभी बाकी है।
लड़ना है तो लड़ो दुनिया की समस्याओं से,
गरीबी और भुखमरी का निदान अभी बाकी है।

यूजर्स गाइड

ईपीएफओ दिलाएगा पुराना फंसा पैसा जल्द आने वाला है E-PRAAPTI पोर्टल

अगर आपका पैसा भी पुराने पीएफ खातों में सालों से बंद है और इस वजह से इनऑपरेटिव कैटेगरी में चला गया है, तो सरकार आप जैसे करोड़ों EPFO सदस्यों के लिए E-PRAAPTI नाम से खास पोर्टल लाने की तैयारी कर रही है। यह पोर्टल खास तौर पर आपकी बरसों पुरानी मेहनत की कमाई को वापस दिलाने में मदद करेगा। गौर करने वाली बात है कि नौकरी बदलने या पुरानी कंपनी का रिकॉर्ड न होने के कारण लोग अपना जमा पैसा नहीं निकाल पाते थे, खासकर वे जिनका खाता 2014 से पहले का है और उनके पास ह नहीं है। इस पोर्टल के जरिए लोग अपने पुराने खातों और उनमें पड़े पैसों को ट्रैक कर सकेंगे।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में E-PRAAPTI पोर्टल का ऐलान किया है। इसका मतलब Employee Provident Fund Aadhaar-Based Access Portal for Tracking Inoperative Accounts है। जैसा कि नाम से समझ आता है इस पोर्ट्ल के जरिए आधार की मदद से लोग अपने पुराने और बंद पड़े खातों को ट्रैक कर सकेंगे। इसका सबसे ज्यादा फायदा उन लोगों को होगा जिनके पास UAN नंबर नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पोर्टल की मदद से लोग आधार-आधारित ऑथेंटिकेशन के जरिए सदस्य अपने पुराने और बंद पड़े खातों को ट्रैक कर सकेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक शुरुआत में यह पोर्टल मेंबर आईडी के आधार पर काम करेगा, लेकिन भविष्य में उन लोगों की भी मदद की जाएगी जिन्हें अपनी पुरानी आईडी याद नहीं है। इससे कागजी कार्रवाई कम होगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। (REF.) रिपोर्ट्स के मुताबिक वित्त वर्ष 2026 में EPFO ने रिकॉर्ड 8.31 करोड़ क्लेम निपटाए हैं, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 6.01 करोड़ था। इनमें से करीब 5.51 करोड़ क्लेम एडवांस या आंशिक निकासी के थे। राहत की बात यह है कि लगभग 71.11% एडवांस क्लेम ऑटो मोड के जरिए महज 3 दिनों के भीतर प्रोसेस कर दिए गए। गौर करने वाली बात है कि टेक्नोलॉजी की वजह से लोगों को अब बैंक खाता जोड़ने या चेक बुक की फोटो अपलोड करने जैसी परेशानियों से भी काफी हद तक मुक्ति मिल गई है। तकनीक में हो रहे लगातार सुधारों का नतीजा है कि लोगों की अपने एम्प्लॉयर पर निर्भरता कम हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक करीब 29.34 लाख सदस्यों ने बिना किसी दफ्तर या कंपनी के चक्कर काटे खुद अपना प्रोफाइल ऑनलाइन ठीक किया।?

इसके अलावा, 70.55 लाख ट्रांसफर क्लेम बिना किसी इंसानी दखल के ऑटो-प्रोसेस किए गए। अप्रैल 2026 की बात करें तो अकेले इस महीने में 61.03 लाख क्लेम सेटल हुए, जिनमें से 98.70% मामलों का निपटारा 20 दिनों से भी कम समय में कर दिया गया। यह सभी बदलाव बेहतर टेक्नोलॉजी के चलते संभव हो पाए हैं। इसी तरह E-PRAAPTI पोर्टल भी एक जरिया बनेगा जहां लोग अपने पुराने अकाउंट का पैसा बिना दफ्तरों की दौड़-भाग किए खुद पा सकेंगे।

अजब-गजब

ऐसी भी खौफनाक जेल, जहां महिलाओं का सिर काटकर फुटबॉल खेलते हैं खूंखार कैदी

जेल का नाम सुनते ही दिमाग में ऐसी जगह की तस्वीर बनती है, जहां अपराधियों को कानून के सख्त पहरे में रखा जाता है। लेकिन दुनिया में कुछ जेलें ऐसी भी हैं, जहां हालात इतने खौफनाक हैं कि वहां कैदी ही असली सत्ता चलाते हैं। इन जेलों में हिंसा, गैंगवार और खूनी संघर्ष आम बात मानी जाती है। खासकर मध्य अमेरिकी देशों होंडुरास और अल साल्वाडोर की जेलें दुनिया की सबसे खतरनाक जेलों में गिनी जाती हैं। यहां हालात इतने खतरनाक हैं कि कई बार जेल के अंदर ही एक साथ कई हत्याएं हो जाती हैं और प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठे रह जाता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, होंडुरास और अल साल्वाडोर की कई जेलों पर खतरनाक ड्रग्स कार्टेल और गैंग्स का दबदबा है। एमएस-13 और बैरियो 18 जैसे खूंखार गिरोह सिर्फ शहरों की सड़कों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जेलों में भी अपना नेटवर्क चलाते हैं।

महिलाओं की जेल पर खूनी हमला: होंडुरास में हुई एक घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। राजधानी तेगुसिगाल्पा के पास स्थित महिलाओं की जेल पर हथियारबंद गैंग सदस्यों ने हमला कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावरों ने जेल के अंदर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी और कई कैदियों को घेर लिया। स्थिति इतनी भयानक हो गई कि हमलावरों ने आग भी लगा दी, जिससे कई महिलाएं बाहर नहीं निकल सकीं। इस घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद वहां की सरकार ने भी माना था कि जेल प्रशासन को हमले की जानकारी पहले से थी, लेकिन समय रहते कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन जेलों में गैंगवार के बाद कैदियों के सिर काटकर उनसे फुटबॉल तक खेली जाती है।

अल साल्वाडोर की जेलों की हालत तो और भी ज्यादा डरावनी बताई जाती है। यहां की सबसे बड़ी जेल एस्पेरांजा में क्षमता से कई गुना ज्यादा कैदी बंद हैं। इस जेल की क्षमता लगभग 10 हजार कैदियों की है, यहां 30 हजार से ज्यादा लोगों को रखा गया है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि यहां गैंग सदस्यों ने एक बार जेल गार्ड की हत्या कर दी थी। ऐसी घटनाओं के कारण जेल कर्मचारी भी लगातार डर के माहौल में काम करते हैं। होंडुरास और अल साल्वाडोर की जेलें सिर्फ अपराधियों की कैद की जगह नहीं रह गई हैं, बल्कि कई बार ये खुद अपराध का केंद्र बन जाती हैं। गैंगवार, भीड़भाड़, हथियारों की तस्करी और प्रशासन पर गिरोहों का दबाव इन जेलों को दुनिया की सबसे खतरनाक जेलों में शामिल करता है। यही वजह है कि इन देशों की जेलों की कहानियां सुनकर लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

न्यूज विंडो

मकान सूचीकरण कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सुपरवाइजर व प्रगणक सम्मानित

गंजबासौदा। जनगणना 2027 अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य जिले में तेजी से प्रगति पर है। चार्ज बासौदा तहसील, त्योंदा तहसील एवं नगरपालिका क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सुपरवाइजर और प्रगणकों को जिला कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी अंशुल गुप्ता द्वारा जिला मुख्यालय पर उनके चेंबर में प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि एसडीएम अनुभा जैन तथा चार्ज जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार अरविंद यादव के निर्देशन में सुपरवाइजर सर्किल अंतर्गत फील्ड ट्रेनर एवं सुपरवाइजर अभय कुमार शर्मा सहित कांचरोद के प्रगणक संतोष शर्मा, सिरावदा के प्रगणक सुधीर श्रीवास्तव तथा नौघई के प्रगणक रविन्द्र रघुवंशी ने अपने-अपने मकान सूचीकरण ब्लॉक का शत-प्रतिशत कार्य सबसे पहले पूर्ण किया था। उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। बताया गया कि सुपरवाइजर सर्किल-18 अंतर्गत 8 मकान सूचीकरण ब्लॉकों का कार्य पूरी तरह पूर्ण हो चुका है। इन क्षेत्रों का निरीक्षण एडीएम सहित जनगणना निर्देशालय भोपाल की जिला प्रभारी अधिकारी द्वारा भी किया गया था।

सोहागपुर में कमिश्नर-कलेक्टर ने किया भंडार गृहों का निरीक्षण

अमानक गेहूं न खरीदने और ओपन स्टेक मैपिंग अनिवार्य करने के दिए दिशा निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्रीकांत बनोठ और कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बुधवार को सोहागपुर पहुंचकर वेयरहाउसों का निरीक्षण किया। प्रशासनिक अमले के साथ गेहूं उपार्जन प्रक्रिया का जायजा लिया और किसानों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रितु वेयरहाउस केवलारी में किसानों से उपार्जन की प्रक्रिया देखी। हम्मालों की कमी से तुलाई धीमी होने पर प्राथमिकता से काम करने को कहा। कमिश्नर ने सर्वेयर को अमानक गेहूं न खरीदने और ओपन स्टेक मैपिंग अनिवार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि 80त्न भुगतान हो चुका है। किसानों के लिए मेडिकल किट का उपयोग तुरंत करने को कहा। पटवारी प्राची काकोड़िया को रोज वेयरहाउस आने के आदेश दिए। बोदी के शक्ति एग्रो वेयरहाउस में निरीक्षण के दौरान अमानक गेहूं, कंकड़-मिट्टी और पंखों की कमी पाई। कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए गोदाम सर्वेयर को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। रिजेक्टेड ट्रैक्टर-ट्रॉलियां अलग करने को कहा।

सांदीपनी स्कूल जुलाई तक तैयार, दो शिफ्ट में काम तेज

निर्माणाधीन सांदीपनी स्कूल का दौरा कर सभी कक्षों में फिनिशिंग, खिड़की-दरवाजे लगाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने जुलाई में हैंडओवर करने, प्लेग्राउंड, स्टेडियम, म्यूजिक कक्ष और विंग पूर्ण करने को कहा। अतिरिक्त श्रमिक लगाकर दो शिफ्ट में काम करने के आदेश। कलेक्टर ने छोटे बच्चों के लिए सीढ़ियों पर रेलिंग लगाने को निर्देशित किया। बारिश में सीलन रोकने पर जोर दिया।

पिपरिया जनपद पंचायत में पारदर्शिता के निर्देश

जनपद पंचायत कार्यालय पिपरिया का निरीक्षण कर सभी शाखाओं को व्यवस्थित काम करने को कहा। मनरेगा में बजट-भुगतान की जानकारी ली, कार्य पूर्ण होते ही भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश। विकास, सामाजिक न्याय और पीएम आवास शाखाओं की समीक्षा की। कमिश्नर, कलेक्टर, जिप सीईओ हिमांशु जैन एक ही गाड़ी से निरीक्षण पर निकले। एसडीएम आकिप खान, तहसीलदार वैभव बैरागी और अमले ने भी कारपूलिंग अपनाई। जनपद अध्यक्ष संध्या सिंगारे उपस्थित रहीं।

मटकुली उद्यान में 42 वैरायटी के आम-नींबू का जायजा

शासकीय उद्यान मटकुली में 55 एकड़ आम (अल्फांसो, दशेरी, लंगड़ा आदि) और 10 एकड़ नींबू के पौधे देखे। इस साल 72 लाख में नीलामी। किसानों को सस्ते पौधे उपलब्ध। रखरखाव की सराहना की। पंचमढ़ी में रविशंकर भवन का भी निरीक्षण किया।

खंडवा में किशोर कुमार के बंगले में सेंध कब्जे की सूचना से मुंबई तक खलबली

खंडवा। दोपहर मेट्रो

भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध गायक रहे किशोर कुमार गांगुली के खंडवा स्थित बंगला खंडहर हो चुका है। 13 मई 2026 की सुबह जिला प्रशासन को सूचना मिली कि उनके बंगले के दीवार को तोड़कर दुकान का निर्माण कराया जा रहा है। भूमि पर कब्जा की सूचना पर कलेक्टर की टीम मौके पर पहुंची। निर्माण पर रोक लगाते हुए पाइप जब्त की कार्रवाई की है। सुबह सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह और निगम उपायुक्त एसआर सिटोले दल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में बाबा अंडा वाले की दुकान के भीतरी छोर से बंगले की दीवार में सेंध मिली। अधिकारियों ने प्रस्तावित निर्माण पर तत्काल रोक लगाते हुए कहा है है कि बगैर अनुमति एक इंच भी निर्माण नहीं किया जाए। पूछताछ में सामने आया कि बंगले के आस-पास के कई दुकानदारों ने भीतरी खाली भूमि पर निर्माण कर लिया है। कुछ व्यापारियों ने तो कब्जा कर दीवार खड़ी कर लिया है। हालांकि, सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा है कि सीमांकन के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। जिला प्रशासन को बुधवार सुबह क्षेत्रीय विधायक के पति मुकेश तनवे समेत कई अन्य से सूचना मिली। कलेक्टर ऋषव गुप्ता के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह और निगम उपायुक्त एसआर सिटोले ने केवलराम तिराहे पर पहुंच कर जांच की। मौके पर कोई निर्माण सामग्री नहीं मिली, लेकिन निगम दल ने लगभग 20-20 फीट के 10 पाइप जब्त किए। बंगले के खाली क्षेत्र में पड़ोसी दुकानदार रहीस ने ये पाइप रखे थे। शहर काजी सैयद निसार अली पाइप छुड़वाने रहीस के साथ निगम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने उपायुक्त से पक्ष सुनने का अनुरोध किया। शहरकाजी ने उपायुक्त से तर्क दिया कि गांगुली परिवार से बंगले की खाली भूमि पर पाइप रखने मौखिक चर्चा हुई है। उपायुक्त ने जवाब दिया कि मौके पर कोई नहीं आया था। मजिस्ट्रेट ने पाइप रिलीज किए जाने का आवेदन मांगा, और कहा कि जांच के बाद पाइप रिलीज होगी। सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह ने बताया कि मौके पर कोई निर्माण नहीं मिला, लेकिन दीवार में सेंध लगाने जैसे तोड़ा जाना पाया गया है। सीमांकन कराने के बाद अतिक्रमण की स्थिति स्पष्ट होगी।

जनसुनवाई मे कलेक्टर से बोले बुजुर्ग- बहु ने घर से निकाला, ताला तोड़कर किया कब्जा

इटारसी। दोपहर मेट्रो

दौड़ती भागती जिंदगी मे हर व्यक्ति अपने ही वक्त से परेशान है इस कलियुग मे आये दिन सास-ससुर और बहु के बीच विवाद कि खबरे आम हो चलती है मंगलवार को भी बहु और ससुर के बीच का एक मामला कलेक्टर कि जनसुनवाई मे पहुंचा था जहां पथरौटा के 66 साल के बुजुर्ग रजनीकांत महालहा ने बहु के कब्जे से उनका मकान दिलाने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा मेरे बेटे की शादी 11 मई 2013को हुई थीं। बहु बेटा के बीच संबंध ठीक न होने से तलाक के लिए कोर्ट में केस चल रहा है।

इस बीच कुछ महीने से बहु ने पथरौटा वाले मकान से हमें बाहर निकाल दिया और बहु ने उस पर कब्जा कर लिया। उन्होंने बताया मैं किडनी एवं हार्ट पेशेंट हूं। पूर्व में भी हार्ट अटैक आ चुका है एवं अभी 20 जनवरी 2026 को सभी के परेशान करने के कारण पुनः दूसरी बार हार्ट अटैक आया था। जनवरी में ही मेरा ऑपरेशन हुआ। खुद का मकान होने के बावजूद मैं, मेरा बेटा किराए के मकान में रहने को मजबूर है। साहब... बहु से कब्जा हटवाकर मेरा मकान मुझे दिलवा दो। कलेक्टर मिश्रा ने समस्या सुनने के बाद उन्हें वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पुलिस से भी लगाई थी गुहार

मामले मे बुजुर्ग रजनीकांत महालहा नें पथरोटा थाना मे भी शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी बहु नें उनके मकान का ताला तोड़कर कब्जा कर लिया और ज़ब वे अपने पथरोटा स्थित घर पहुंचे तो बहु नें उन्हें घर से भागा दिया। पुलिस नें इस मामले मे एनसीआर दर्ज कर न्यायालय जाने कि सलाह दे कर चलता कर दिया, अब बुजुर्ग अपने मकान को छुड़ाने के लिये सरकारी कार्यालयों के देहरी पर गुहाल लगते घूम रहे है ताकि कही तो कुछ उम्मीद जागे और अपना मकान हासिल कर सके।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में बच्चों को मिल रहा बैडमिंटन व कबड्डी का प्रशिक्षण

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

खेल एवं युवा कल्याण विभाग मप्र शासन द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के इंडोर गेम्स हॉल में किया जा रहा है जो एक जून तक चलेगा। शिविर में खिलाड़ियों को बैडमिंटन एवं कबड्डी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही खेल विभाग द्वारा खेल गतिविधियों के अलावा मनोरंजनात्मक गतिविधियां भी कराई जा रही हैं।

प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए खिलाड़ियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा, जिसे खिलाड़ी स्वयं अथवा कोच के माध्यम से कर सकते हैं। बैडमिंटन एवं कबड्डी का प्रशिक्षण राहुल विश्वकर्मा द्वारा प्रतिदिन सुबह 7 से 9 बजे एवं शाम 5 से 7 बजे तक दिया जा रहा है। ब्लॉक खेल समन्वयक नूरजहां बानो ने बताया कि खेलों से मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को खेल गतिविधियों से जोड़ने और उनकी प्रतिभा निखारने के लिए ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने नगर के सभी खिलाड़ियों एवं अभिभावकों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में बच्चों को समर कैंप में भेजकर इसका लाभ दिलाएं। उन्होंने बताया कि शिविर पूरी तरह निशुल्क है। इच्छुक खिलाड़ी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जयस्तंभ चौक पहुंचकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

4 वाहन जब्त, पोकलेन मशीन सहित ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

रेत के अवैध उत्खनन पर प्रशासन की सख्ती

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर नर्मदापुरम जिले में रेत और गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, ओवरलोडिंग व बिना ढके लोडिंग के खिलाफ सतत कार्रवाई जारी है। मंगलवार को आकस्मिक जांच में तहसील नर्मदापुरम के ग्राम जासलपुर में तवा नदी क्षेत्र से एक पोकलेन मशीन और दो ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत के अवैध उत्खनन करते पकड़ी गईं।

इन जप्त वाहनों को पुलिस थाना देहात नर्मदापुरम की अभिरक्षा में रख दिया गया है। इसी तरह, एसपीएम गेट नंबर-04 नर्मदापुरम से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत के अवैध परिवहन में पकड़ी गई, जिसे भी पुलिस हिरासत में ले लिया गया। कुल चार वाहनों की जब्ती से अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि रेत परिवहन के दौरान वाहन ढककर और नियंत्रित गति से चलाए जाने के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम नें बताया कि जप्त वाहनों के खिलाफ मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण निवारण) नियम 2022 के तहत नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मेट्रो एंकर

बिजली कंपनी की लापरवाही, शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार मौन

चार दिनों से झूल रहे थे 11 केवी लाइन के तार संपर्क में आने से तीन भैस और गाय की मौत

बीना। दोपहर मेट्रो

खिमलासा सबस्टेशन के अंतर्गत ग्राम ढांड़ में झूलते हुए 11 केवी लाइन के तारों के संपर्क में आने से तीन भैंस और एक गाय की मौत हो गई। इसके बाद ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ गया और भानगढ़ रोड पर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर किसान नेता इंदर सिंह, भानगढ़ थाना प्रभारी धर्नेंद्र यादव सहित पटवारी और बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने पहुंचकर पंचनामा बनाया। आश्वासन पर कुछ देर बाद प्रदर्शन खत्म हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व चली आंधी के बाद से खेतों में 11 केवी हाईटेंशन लाइन के तार जमीन से दो फिट ऊपर झूल रहे थे, जिससे हादसे का अंदेशा था। इसकी सूचना बिजली कंपनी के कर्मचारियों को दी थी, लेकिन सुधार नहीं किया गया। बुधवार सुबह गांव के तखत सिंह यादव की तीन भैंसे और गाय चरने के लिए गई थीं, जो करंट के संपर्क आ गईं और मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पशुपालक सहित ग्रामीण मौके पर पहुंचे और विरोध जताया। भैंस और गाय के मरने पर पशुपालक को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। दो-दो लाख रुपए कीमत की भैंस थीं। घटना के बाद भानगढ़ रोड पर ग्रामीणों ने जाम लगाकर प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंचे किसान नेता, भानगढ़ थाना प्रभारी ने समझाइश देकर प्रदर्शन खत्म कराया। पशुपालक को जो नुकसान हुआ है, उसका पटवारी ने पंचनामा बनाया है।

पूर्व में भी हो चुके हादसे

बिजली कंपनी की लापरवाही के चलते पूर्व में क्षेत्र में इस प्रकार के मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन इन हादसों से भी सबक नहीं लिया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगहों पर तार नीचे झूल रहे हैं, तो कहीं खुले तार हादसों को न्यौता दे रहे हैं। हादसा होने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचते हैं।

लापरवाही बनी खतरा

किसान नेता ने बताया कि तार इतने नीचे झूल रहे थे कि बच्चे भी उसके संपर्क में आ सकते थे। इसके बाद भी कर्मचारियों ने ध्यान नहीं दिया। यदि कोई व्यक्ति इसके संपर्क में आ जाता, तो उसकी जान चली जाती। भानगढ़ थाना प्रभारी धर्नेंद्र यादव ने बताया कि मृत मवेशियों का पीएम कराया गया है और जांच की जा रही है। जांच में जिसकी लापरवाही सामने आएगी उसपर कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क्रमांक-1 शेड क्र-7 जवाहर चौक, भोपाल

निविदा सूचना क्र-16, 17, 18, 19, 20, 21, 22/वलेलि/2026-27 भोपाल, दि-11.05.2026

/// निविदा सूचना ///

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क्र.	निविदा सूचना क्र.	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि रू. लाखों में	अमानत राशि
1.	16	2026_PWDRB_506456	लोनिवि नगर उपसंभाग क्र-1 के पीएचक्यू सेक्शन क-1 भोपाल के अन्तर्गत डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज कोलार रोड में पार्किंग शेड के निर्माण एवं पेवर ब्लॉक्स फ्लोरिंग एवं अन्य कार्य।	रू. 87,00,000.00 (रू. सत्तासी लाख मात्र)	रू. 87000.00
2.	17	2026_PWDRB_506457	पीएचक्यू सेक्शन क्र-1 भोपाल के अन्तर्गत डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज कोलार रोड में विभिन्न लघुमूल कार्य।	रु. 84,00,000.00 (रू. चौरासी लाख मात्र)	रु. 84000.00
3.	18	2026_PWDRB_506458	लोनिवि नगर उपसंभाग क्र-1 के पीएचक्यू, सेक्शन क्र-1 भोपाल के अन्तर्गत विभिन्न निर्माण, लघुमूल, डिपाजिट एवं अन्य कार्य।	रू. 70,00,000.00 (रू. सत्तर लाख मात्र)	रु. 70000.00
4.	19	2026_PWDRB_506459	लोनिवि सिविल लाईन सेक्शन क्र-2 भोपाल के अन्तर्गत शासकीय भवनों में रंगाई, पुताई. डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिंग प्लास्टरिंग का कार्य।	रू, 40,00,000.00 (रू. चालीस लाख मात्र)	रु. 50000.00
5.	20	2026_PWDRB_506460	सिविल लाईन सेक्शन क्र-2 भोपाल के अन्तर्गत विभिन्न लघंमूल, वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, डिपाजिट एवं अन्य कार्य।	रु. 25,00,000.00 (रू. पच्चीस लाख मात्र)	रु. 50000.00
6.	21	2026_PWDRB_506461	लोनिवि. संधारण संभाग क्र-1 भोपाल के पीएचक्यू सेक्शन क्र-1 के अन्तर्गत विभिन्न व्हीआईपी. व्हीव्हीआईपी, आगमन प्रोग्राम एवं अन्य लॉ एण्ड ऑर्डर कार्यकम हेतु सिक्यूरिटी अरेंजमेंट का कार्य।	रु. 25,00,000.00 (रू. पच्चीस लाख मात्र)	रु. 50000.00
7.	22	2026_PWDRB_506463	प्रोफेसर कालोनी सेक्शन भोपाल में विभिन्न लघूमूल, वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, डिपाजिट एवं अन्य कार्य।	रु. 25,00,000,00 (रू. पच्चीस लाख मात्र)	रु. 50000.00

उपरोक्त वेबसाईट पर आनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं सबमिशन करने की अंतिम तिथि 29.05.2026 सायं 5:30 बजे निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन. आई. टी, एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क्र-1 भोपाल
दूरभाष-0755-2777485

G-12765/26

न्यूज विंडो

कटनी के बरही में एक तेज रफ्तार बस ने दो युवकों को रौंदा

कटनी। जिले के बरही इलाके में सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। बरही-उमरिया रोड पर ग्राम करौंदी के पास एक तेज रफ्तार यात्री बस ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही बरही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बस को जब्त कर लिया है और उसे खितौली चौकी में खड़ा कराया है।

सड़क किनारे खड़े बुजुर्ग को तेज रफ्तार कार ने मारी टककर

बालाघाट। बालाघाट के लांजी इलाके में सड़क हादसा में 55 वर्ष के एक बुजुर्ग की जान चली गई। ढेडवा गांव में एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े बुजुर्ग महेंद्र निकोसे को जोरदार टक्कर मार दी। अस्पताल ले जाने के बाद इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।लांजी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम गुरुवार को किया जाएगा।

थाना मकरोनिया पुलिस एवं यातायात पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

1.5 करोड़ रुपए की अवैध शराब एवं वाहन जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

अवैध मादक पदार्थ एवं शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मकरोनिया पुलिस एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब से भरा एक कंटेनर ट्रक पकड़ा गया। कार्यवाही के दौरान लगभग 1 करोड़ 1 लाख 25 हजार रुपये कीमत की अवैध अंग्रेजी शराब एवं करीब 7 लाख रुपये कीमत का वाहन जप्त किया गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार यातायात थाना के सूबेदार हेमंत कुमार पटेल एवं प्रधान आरक्षक मकरोनिया चौराहा क्षेत्र में वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक कंटेनर ट्रक क्रमांक एमपी 09 छ्रत्र-0620 को रोककर जांच की गई। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप छिपाकर परिवहन करते हुए पाई गई। जप्त शराब में लगभग 1500 पेटी अंग्रेजी शराब, कुल मात्रा लगभग 13500 लीटर एवं अनुमानित कीमत 1,01,25,000 रुपये पाई गई। वाहन सहित कुल मशरूका लगभग 1,08,25,000 रुपये का जप्त किया गया। वाहन चालक विजय दांगी पिता रामगोपाल दांगी उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम ब्राह्मणगांव थाना माचलपुर जिला राजगढ़ से पूछताछ की गई, जिसने शराब परिवहन से संबंधित कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। मामले में आरोपी विजय दांगी, रामचंद्र वर्मा के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

अंधविश्वास का खौफ

भतीजे ने बुआ को डायन मानकर उतारा मौत के घाट, दो आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के टांडा थाना क्षेत्र में अंधविश्वास के चलते एक दिल दहला देने वाली हत्या का मामला सामने आया है। यहाँ एक युवक ने अपनी ही सगी बुआ को डायन होने के संदेह में मौत के घाट उतार था। वारदात के दौरान बुआ को घर पर अकेला देखकर दो आरोपियों ने महिला भांगडीबाई पति पुनिया की हत्याल कर दी, आरोपी घटना के बाद मौके से फरार हो गए थे। सूचना पर पुलिस ने रिश्तेनदार के गांव में दबिश देकर दोनों आरोपियों को अरेस्टं किया व सख्ती से पूछताछ में आरोपियों ने हत्या करने की बात कबूल की हैं।

दरअसल टांडा थाना अंतर्गत ग्राम धावडदा में 10 मई शाम के समय महिला भायगडीबाई पति पुनिया का शव घर के बाहर खटिया पर मिला था, शरीर पर चोट के निशान के चलते ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच शुरु की व पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने ग्रामीणों व परिजनों से चर्चा की तो जानकारी सामने आई कि आरोपी टिंकू पिता भुरु सिंगाड के भाई राजेश की तीन साल पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी। आरोपी मौत का जिम्मेदार बुआ भांगड़ीबाई को मानता था। अंधविश्वास के चलते उन्हें डायन समझता था। इसी कारण पिछले तीन साल से बुआ और भतीजे के परिवार के बीच विवाद चल रहा था। विवाद के चलते महिला पति पुनिया के साथ मोहल्ले से दूर भानजे मुनेश के मकान में रहती थीं। थाना प्रभारी संजय सिंह रावत के अनुसार घटना वाले दिन आरोपी टिंकू और उसका साथी सोहन शराब पीकर एक शादी कार्यक्रम से लौटे थे। नशे की हालत में वे बुआ के घर पहुंचे। भांगड़ीबाई को अकेला पाकर उन्होंने लाठी से उनके सिर पर हमला कर दिया।

एसपी बदलते ही बदर क्षेत्र में फिर सक्रिय हुआ जुए का कारोबार

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में पूर्व पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान के ट्रांसफर के बाद एक बार फिर भालूमाड़ा थाना क्षेत्र के बदर इलाके में जुए के कारोबार के सक्रिय होने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार लंबे समय से बंद पड़ा अवैध जुए का नेटवर्क अब फिर से संचालित होने लगा है, जिसमें पुराने खिलाड़ी और पुराने ऑपरेटरों की वापसी बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार बदर क्षेत्र में देर रात तक जुए की महफिलें सज रही हैं और कथित रूप से कफन बैठाकर बड़े स्तर पर दांव लगाए जा रहे हैं। चर्चा यह भी है कि इस बार कुछ नए समझौते और नई सेटिंग के बाद कारोबार को दोबारा शुरू किया गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जुए के कारण क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियां बढ़ने का खतरा बना रहता है।

पुलिस ने दस्तयाब कर मां की गोद में लौटाया, दंपत्ति को दी समझाइश

पत्नी से विवाद के बाद 15 दिन की मासूम को लेकर चला गया था पिता

धार। दोपहर मेट्रो

गंधवानी के ग्राम सादड़िया कुआं में एक पिता अपने ही 15 दिन की नवजात बच्ची को लेकर फरार हो गया था, हालांकि, पुलिस की सक्रियता के कारण मासूम को चंद घंटों में ही सुरक्षित बचाकर मां की गोद में पहुंचा दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को ग्राम सादड़िया कुआं निवासी पारूबाई का अपने पति सुरेश से किसी बात को लेकर तीखा विवाद हो गया था। गुस्से में आकर सुरेश अपनी महज 15 दिन की दुधमुंही बच्ची को मां से छीनकर घर से निकल गया। महिला ने इसकी सूचना तत्काल गधवानी थाने पर दी और पुलिस से मदद की गुहार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी प्रदीप खन्ना ने तत्काल टीम गठित की। उन्?होंने बताया कि हमारी प्राथमिकता बच्ची को सुरक्षित बरामद करना था। पुलिस टीम ने अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और तकनीकी मदद से पिता सुरेश की लोकेशन का पता लगाया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सुरेश के कब्जे से बच्ची को सकुशल छुड़ा लिया। पुलिस ने बरामदगी के बाद बच्ची को उसकी मां पारूबाई के सुपुर्द कर दिया और पति-पत्नी दोनों को समझाइश दी गई कि आपसी विवाद का असर बच्चों के भविष्य पर न पड़ने दें। इस सफल रेस्क्यू में थाना प्रभारी प्रदीप खन्ना के साथ जीराबाद चौकी प्रभारी रविन्द्र चौधरी, दयाराम, डायल 112 सैनिक नानसिंह और पायलट संतोष का विशेष योगदान रहा।

लोकायुक्त टीम की कार्रवाई

शिक्षा कार्यालय में सहायक ग्रेड-3 को 10 हजार रिश्वत लेते दबोचा

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर लोकायुक्त टीम ने सिवनी जिले के धनौरा विकासखंड शिक्षा कार्यालय में सहायक ग्रेड-3 अरुण कुमार कुमरे को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बुधवार को योगेश देशमुख के निर्देश और मनोज सिंह के मार्गदर्शन में की गई, जिससे शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया।लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी अरुण कुमार कुमरे के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7, 13(1)(बी) एवं 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जिम्मेदारों की मनमानी

डॉक्टरों की अनुपस्थिति से मरीज परेशान गर्भवती महिलाओं की जांच व्यवस्था प्रभावित

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं लगातार बदहाल होती जा रही हैं। समय पर डॉक्टरों की उपलब्धता नहीं होने से मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच सुबह 9 बजे से ही मरीज इलाज करवाने के लिए अस्पताल पहुंच जाते हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी डॉक्टरों के नहीं पहुंचने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ऐसा ही आलम बुधवार को रहा 10=15 तक सीबीएमओ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नहीं पहुंचे थे।

विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं को जांच कराने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित जांच और परामर्श समय पर न मिलने के कारण महिलाओं एवं उनके परिजनों को चिंता बनी रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं को लंबी दूरी तय कर अस्पताल पहुंचना पड़ता है, लेकिन वहां पहुंचने के बाद भी डॉक्टरों की अनुपस्थिति के चलते उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है।

स्थानीय लोगों अनिरुद्ध सेन कोमल घोषी रघुवर केवट का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बताया जा रहा है कि सीबीएमओ दमोह से आते हैं, जिसके कारण स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पा रही हैं। जब वरिष्ठ अधिकारी ही नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहते तो अन्य कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर भी उसका सीधा असर रहता है। अस्पताल में कई विभागों के कर्मचारी समय का पालन नहीं कर रहे हैं, जिससे मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है। मरीजों और उनके परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में अव्यवस्था का आलम बना हुआ है। कई बार मरीजों को घंटों इंतजार करने के बाद भी बिना इलाज लौटना पड़ता है। गर्मी के इस मौसम में पहले से ही जनजीवन प्रभावित है, ऐसे में स्वास्थ्य सेवाओं की लचर व्यवस्था लोगों की परेशानियों को और बढ़ा रही है। नगरवासियों ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके और गर्भवती महिलाओं की जांच व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।

तेंदूखेड़ा के ग्राम सेहरी में विवाद के बाद युवक की मौत, गोली चलने का आरोप

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सेहरी में मंगलवार देर रात दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद एक 45 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान चन्द्रभान यादव पिता बाल गोबिंद यादव निवासी ग्राम सेहरी के रूप में हुई है। घटना रात्रि लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। परिजनों ने विपक्षी पक्ष पर देसी कट्टे से फायरिंग करने का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव में ढाबे पर मुरम डालने को लेकर विवाद की स्थिति बनी थी। मृतक के बड़े भाई एवं पूर्व सरपंच अनिल यादव ने बताया कि उनका भाई जवाहर यादव और उसका पुत्र ट्रैक्टर-ट्रॉली से घर के लिए मिट्टी ला रहे थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोग उनके घर पहुंचे और ट्रैक्टर को ढाबे की पुराई के लिए ले जाने की बात कही। समयाभाव और वन भूमि में वाहन पकड़े जाने की आशंका के चलते जवाहर यादव ने वहां मिट्टी डालने से इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। आरोप है कि जब जवाहर यादव मिट्टी लेकर वापस लौट रहे थे, तब रास्ते में ट्रैक्टर रोककर उनके साथ मारपीट की गई। शोर सुनकर चन्द्रभान यादव मौके पर पहुंचे, जहां दोनों पक्षों के बीच विवाद और गाली-गलौज जारी थी। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान दिनेश यादव ने देसी कट्टे से फायरिंग की, जिसके बाद चन्द्रभान यादव मौके पर गिर पड़े। गंभीर हालत में उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार बताए जा रहे हैं। मामले का एक वीडियो भी सामने आया है, हालांकि अंधेरा होने के कारण दृश्य स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन विवाद और गोली चलने जैसी आवाजें सुनाई दे रही हैं। सूचना मिलने पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की गई।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, 1 की मौत 2 घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर से 2 किलोमीटर दूर तारादेही मार्ग पर चैरई के पास बुधवार दोपहर 12 बजे शादी से वापिस लौट रहे मोटरसाइकिल सवार 2 लोगों एवं बच्ची को अज्ञात वाहन से टक्कर मार दी। जिससे मौके पर हल्लू पिता हरिप्रसाद गोस्वामी 45 निवासी मनका इमलिया चैकी की मौत हो गई साथ ही राजू पिता संतसिंह गौड़ 40 निवासी हाथीडोल एवं राजू के साले की 6 वर्ष की बेटी रेशु भी घायल हो गई दोनों को मामूली चोटें आई हैं जिनका इलाज नगर के स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा हैं। घायल राजू ने बताया कि हम लोग घाना जबेरा तहसील से शादी के बाद हाथीडोल ग्राम जा रहे थे। मृतक हल्लू भी मेरे साथ शादी में गए थे हल्लू पिछले कुछ दिनों से ग्राम धनगौर में रहने लगा था ठाकुर बस में हेल्पर का काम करता था। हमारे परिवार के साथ कई वर्षों के संबंध हैं मेरे कहने पर हम लोगों को हाथीडोल पहुंचाने जा रहे थे तभी चैरई के पास अज्ञात वाहन ने सामने से टक्कर मार दी। जिससे सडक पर जा गिरे हल्लू हेलमेट नहीं पहने था टक्कर के बाद वाहन मौके से भाग निकला। सडक से गुजरे रहे एक वाहन चालक ने सभी को नगर के अस्पताल पहुंचाया। मृतक हल्लू के परिजनों को पुलिस द्वारा सूचना दी गई लेकिन शाम तक कोई भी अस्पताल नहीं पहुंचा। भाई ने कहा कि सुबह 8 बजे आएंगे। उसके बाद ही पोस्टमार्टम किया जाएंगा। पुलिस ने मामला कायम कर जांच में लेकर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी हैं।

मेट्रो एंकर

कलेक्टर ने जिला अस्पताल का किया सघन निरीक्षण

बेडशीट प्रतिदिन बदलने और ओपीडी स्टाफ का रोस्टर बनाने के दिए निर्देश

धार। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने आज जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का व्यापक जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी, आईसीयू, डायलिसिस यूनिट और बेबी केयर यूनिट सहित अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों का भ्रमण किया। वार्डों में स्वच्छता की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि मरीजों के बेड की बेडशीट प्रतिदिन अनिवार्य रूप से बदली जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों को संक्रमण मुक्त वातावरण प्रदान करना अस्पताल प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ओपीडी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पर्ची काउंटर पर लिए जाने वाले शुल्क की जानकारी ली। उन्होंने सुरक्षा के लिहाज से निर्देश दिए कि अस्पताल की गरिमा और शांति बनाए रखने के लिए किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को ओपीडी परिसर में प्रवेश न दिया जाए। साथ ही, उन्होंने ड्यूटीरत कर्मचारियों के लिए शिफ्ट अनुसार व्यवस्थित रोस्टर बनाने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को सेवाओं के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वार्ड में भर्ती एक बालिका की माता से आत्मीय संवाद कर उपचार की जानकारी ली। महिला ने बताया कि बच्ची को दस्त की शिकायत के कारण भर्ती कराया गया था और अब वह स्वस्थ है। संवाद के दौरान महिला ने यह भी साझा किया कि डॉक्टर ने बालिका के कुपोषित होने के कारण उसे पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती करने की सलाह दी है। कलेक्टर ने हाई रिस्क प्रेग्नेंसी यूनिट, बेबी केयर यूनिट और डायलिसिस यूनिट का भी निरीक्षण किया और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के संदर्भ में डॉक्टरों ने बताया कि ऐसी महिलाओं की मॉनिटरिंग अनमोल पोर्टल के माध्यम से की जा रही है और सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें समय पूर्व ही अस्पताल में भर्ती कर लिया जाता है, ताकि मां और बच्चा दोनों सुरक्षित रहें। कलेक्टर ने टोबेको नियंत्रण केंद्र का भी अवलोकन किया। उपस्थित स्टाफ ने बताया कि हम निरंतर टोबेको नियंत्रण हेतु काउंसलिंग कर रहे हैं तथा कार्यक्रम के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा कर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराए जाने हेतु आवशत निर्देश दिए। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सहित वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे।

आईपीएल 2026: लगातार चार जीत के बाद चित्त हुई कोलकाता

विराट के रिकॉर्ड शतक से टेबल टॉपर बनी आरसीबी

रायपुर, एजेंसी

विराट कोहली की तूफानी शतकीय पारी की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को छह विकेट से हरा दिया। बुधवार को रायपुर में बारिश के कारण लगभग एक घंटे से ज्यादा समय की देरी से शुरू हुए आईपीएल मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने अंगकृष रघुवंशी की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 19.1 ओवर में चार विकेट पर 194 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस दौरान विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर का नौवां शतक पूरा किया। वह 105 रन बनाकर नाबाद रहे। केकेआर के लिए कार्तिक त्यागी ने तीन विकेट लिए जबकि सुनील नरेन को एक सफलता मिली।

यह आरसीबी का आईपीएल में छठा सबसे बड़ा सफल रनचेज रहा। 12 में से आठ मुकाबले जीतकर गत विजेता टीम 16 अंक और +1.053 के नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। वहीं, केकेआर लगातार चार मुकाबलों में जीत के बाद हारकर आठवें स्थान पर खिसक गई। उनके खाते में नौ अंक और नेट रन रेट -0.198 का हो गया है। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहना इस टीम के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

आरसीबी की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी को जैकब बेथेल और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 20 गेंदों में 37 रन जुटाए। इसके बाद कोहली ने देवदत्त पड्डिकल के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 59 गेंदों में 92 रन की साझेदारी की। पड्डिकल 27 गेंदों में सात चौकों के साथ 39 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद कोहली ने कप्तान रजत पाटीदार (11) के साथ 28 रन, जबकि टिम डेविड (2) के साथ 23 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया। इन खिलाड़ियों के पवेलियन लौटने के बाद विराट कोहली ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने 58 गेंदों में अपना नौवां आईपीएल शतक पूरा किया। कोहली ने 60 गेंदों में तीन छक्कों और 11 चौकों के साथ 105 रन की नाबाद पारी खेली।

कोलकाता नाइट राइडर्स (प्लेइंग इलेवन): अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, कैमरन ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी (विकेट कीपर), रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (प्लेइंग इलेवन): जैकब बेथेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेट कीपर), टिम डेविड, वेंकटेश अय्यर, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, रसिख सलाम डार, जैकब डफी, जोश हेजलवुड

केकेआर की पारी

इससे पहले केकेआर की इस मुकाबले में शुरुआत खराब हुई थी। टीम 48 के स्कोर तक फिन एलन (18) और कप्तान अजिंक्य रहाणे (19) के रूप में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिए थे। यहां से अंगकृष रघुवंशी ने कैमरन ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 46 गेंदों में 68 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दिलाई। कैमरून 24 गेंदों में एक छक्के और तीन चौकों के साथ 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद अंगकृष ने रिंकू सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 46 गेंदों में 76 रन जुटाकर केकेआर को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रिंकू 29 गेंदों में दो छक्कों और तीन चौकों के साथ 49 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि अंगकृष ने 46 गेंदों में 71 रन बनाए। उनकी इस पारी में तीन छक्के और सात चौके शामिल रहे। विपक्षी खेमे से भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और रासिख सलाम डार ने एक-एक विकेट हासिल किया।

पीआर श्रीजेश का हॉकी इंडिया पर बड़ा हमला

विदेशी कोच के लिए हटाया गया मुझे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर और ओलंपिक पदक विजेता पीआर श्रीजेश ने हॉकी इंडिया पर बड़ा हमला बोला है। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के हेड कोच पद से हटाए जाने के बाद श्रीजेश ने सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट लिखकर दावा किया कि उन्हें खराब प्रदर्शन की वजह से नहीं, बल्कि विदेशी कोच को जगह देने के लिए हटाया गया है। श्रीजेश का यह बयान भारतीय हॉकी में विदेशी कोचों को लगातार प्राथमिकता दिए जाने को लेकर नई बहस छेड़ सकता है। खास बात यह है कि उनके कार्यकाल में जूनियर टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था और टीम ने खेले गए सभी टूर्नामेंट में पोडियम फिनिश हासिल की थी। श्रीजेश ने अपने पोस्ट में लिखा- ऐसा लगता है कि मेरा कोचिंग करियर सिर्फ 1.5 साल में खत्म हो गया। इस दौरान हमने 5 टूर्नामेंट खेले और पांचों में पोडियम फिनिश हासिल की, जिसमें जूनियर वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज मेडल भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा- मैंने खराब प्रदर्शन के बाद कोचों को हटाए जाने की बातें सुनी थीं, लेकिन पहली बार ऐसा देख रहा हूं कि विदेशी कोच को जगह देने के लिए हटाया जा रहा है।

हॉकी इंडिया पर लगाए गंभीर आरोप

पूर्व भारतीय गोलकीपर ने दावा किया कि हॉकी इंडिया के शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें बताया कि सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच जूनियर टीम में भी विदेशी कोच चाहते हैं, ताकि जूनियर से लेकर सीनियर स्तर तक एक जैसी प्रणाली विकसित की जा सके। श्रीजेश ने कहा- हॉकी इंडिया अध्यक्ष ने कहा कि सीनियर टीम के मुख्य कोच जूनियर टीम के लिए विदेशी हेड कोच चाहते हैं। उनका मानना है कि इससे भारतीय हॉकी को जूनियर स्तर से सीनियर स्तर तक बेहतर तरीके से विकसित किया जा सकेगा। यहीं पर श्रीजेश ने सबसे बड़ा सवाल दागा। उन्होंने पूछा- क्या भारतीय कोच भारतीय हॉकी को विकसित नहीं कर सकते? श्रीजेश का कार्यकाल भले छोटा रहा हो, लेकिन उपलब्धियां काफी बड़ी थीं। उनके नेतृत्व में भारतीय जूनियर टीम ने लगातार दमदार प्रदर्शन किया। उनके कार्यकाल जूनियर एशिया कप में गोल्ड मेडल, सुल्तान ऑफ जोहोर कप में ब्रॉन्ज, FIH जूनियर पुरुष वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

भारतीय हॉकी में फिर छिड़ी पुरानी बहस

श्रीजेश के इस बयान के बाद भारतीय हॉकी में एक पुरानी बहस फिर तेज हो गई है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या देश के पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके नहीं मिल रहे? भारतीय हॉकी टीम पिछले कई सालों में विदेशी कोचों के साथ काम करती रही है। लेकिन श्रीजेश जैसे सफल और सम्मानित पूर्व खिलाड़ी का इस तरह खुलकर सामने आना हॉकी इंडिया के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है। भारतीय हॉकी इतिहास के सबसे महान गोलकीपर्स में गिने जाने वाले पीआर श्रीजेश ने भारत को कई ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। रिटायरमेंट के बाद उनका कोचिंग में आना भारतीय हॉकी के भविष्य के लिए बड़ी उम्मीद माना जा रहा था। ऐसे में उनका अचानक हटना और विदेशी कोचों को लेकर लगाए गए आरोप अब बड़े विवाद का रूप ले सकते हैं।

एशेज हार के बाद इंग्लैंड टीम पर चला सेलेक्शन का चाबुक, 7 खिलाड़ी बाहर

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने एशेज 2026 में मिली 4-1 की करारी हार के बाद बड़ा फैसला लिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में 4 जून से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने 15 सदस्यीय टीम घोषित की, जिसमें एशेज खेलने वाले सात खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया। पहला टेस्ट 4 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, इसके बाद दूसरा टेस्ट 17 जून से किया ओवल और तीसरा टेस्ट 25 जून से ट्रेंट ब्रिज में होगा। यह टीम पूर्व डरहम डायरेक्टर मार्कस नॉर्थ के पहले सेलेक्शन प्रोसेस चयन प्रक्रिया के बाद सामने आई है, जिन्हें इंग्लैंड का नया नेशनल सेलेक्टर बनाया गया है। टीम में कई बड़े और चौंकाने वाले बदलाव देखने को मिले। सबसे बड़ा झटका ओपनर जैक क्राउली को लगा है। बैजबॉल दौर के अहम खिलाड़ी माने जाने वाले क्राउली लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। एशेज में उनका औसत सिर्फ 27.30 रहा, जबकि काउंटी क्रिकेट में भी वह 10 पारियों में केवल 44 रन की सर्वोच्च पारी खेल पाए। उनकी जगह डरहम के एमली? ओ गे को मौका मिला है, जिन्होंने इस सीजन 92 की औसत से 552 रन बनाए हैं और तीन शतक भी लगाए हैं। वहीं ओली पोप को भी टीम से बाहर कर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और बाद में उनकी जगह जैकब बेथेल को नंबर-3 पर मौका दिया गया था। बेथेल को एक बार फिर टीम में शामिल किया गया है, जबकि पोप को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

जेम्स रियू को पहली बार मौका

इंग्लैंड ने समरसेट के युवा बल्लेबाज जेम्स रियू को पहली बार टेस्ट टीम में जगह दी है। रियू ने इस सीजन शानदार शुरुआत की थी और विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ के बैकअप विकल्प के तौर पर भी उन्हें देखा जा रहा है। गेंदबाजी विभाग में भी कई बड़े बदलाव हुए हैं। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के क्रिकेट डायरेक्टर रॉब की ने साफ कहा कि आर्चर अभी IPL खेल रहे हैं और उन्हें रेड-बॉल क्रिकेट के लिए धीरे-धीरे तैयार किया जा रहा है। मार्क चोट भी चोट के कारण बाहर हैं, जबकि ब्रायडन कार्स हाथ की चोट के चलते अभी पूरी तरह फिट नहीं हो सके हैं। कार्स का IPL सफर भी चोट की वजह से जल्दी खत्म हो गया था। ऐसे में इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी अब गस एटकिंसन, जोश टंग और वापसी कर रहे ओली रॉबिन्सन पर होगी। रॉबिनसन दो साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। फिटनेस समस्याओं के कारण उन्हें लंबे समय तक बाहर रखा गया था, लेकिन ससेक्स की कप्तानी संभालने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की है। हाल ही में उन्होंने लेस्टरशायर के खिलाफ छह विकेट भी झटके।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मदद मांगना कमजोरी नहीं, हिम्मत की निशानी है

मानसिक बीमारी पर खुलकर बोलीं अभिनेत्री लीसा रे

आज के समय में मेंटल हेल्थ एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। तेज रफ्तार जिंदगी, काम का दबाव, रिश्तों में दूरियां और अकेलापन कई लोगों को अंदर ही अंदर मानसिक रूप से कमजोर बना रहा है। लेकिन कई लोग ऐसे हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर अपनी बात रख रहे हैं। इसी बीच अभिनेत्री लीसा रे ने भी मेंटल हेल्थ अवेयरनेस मंथ पर कई अहम बातें साझा की हैं।

लीसा रे ने इंस्टाग्राम पर वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज! में अपने किरदार समारा कपूर के सीन्स की क्लिप शेयर की। इस सीरीज में उनका किरदार बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक बीमारी से जूझ रहा होता है। लीसा ने कैप्शन में लिखा, मेंटल हेल्थ अवेयरनेस मंथ हमें यह याद दिलाता है कि

मानसिक उपचार एक आसान प्रक्रिया नहीं होती और हर व्यक्ति की कहानी मायने रखती है। इंसान कभी अच्छा महसूस करता है तो कभी अचानक टूट जाता है। इसी उतार-चढ़ाव को मेरे किरदार समारा कपूर ने सीरीज में दिखाने की कोशिश की थी। उन्होंने आगे कहा, समारा कपूर की कहानी में उन हजारों लोगों की जिंदगी की झलक दिखाई गई थी, जो मानसिक परेशानियों से लड़ रहे हैं। इस किरदार में दिखाया गया कि बाइपोलर डिसऑर्डर से जूझ रहे इंसान के मन में लगातार भावनात्मक बदलाव होते रहते हैं। कभी बहुत ज्यादा खुशी महसूस होती है, तो कभी इंसान अचानक गहरी उदासी में चला जाता है। कई बार वह खुद को अकेला और असुरक्षित महसूस करने लगता है।

सीरीज में कुछ सीन्स थे वास्तविक

लीसा रे ने कहा, सीरीज के कुछ सीन्स इतने वास्तविक थे कि मैं खुद भी भावुक हो जाती थी। समारा का अचानक गुस्सा होना, जल्दबाजी में फैसले लेना, छोटी-छोटी बातों पर टूट जाना और रिश्तों में उलझन महसूस करना सच्चाई के साथ दिखाया गया था। कई लोग अपनी परेशानी छिपाते रहते हैं क्योंकि उन्हें डर होता है कि समाज उन्हें कमजोर समझेगा। अभिनेत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि मानसिक बीमारी किसी इंसान की पहचान नहीं होती। उन्होंने कहा, अगर कोई व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या से जूझ रहा है तो इसका मतलब यह नहीं कि वह कमजोर है या प्यार पाने के लायक नहीं है।

अगर गाना अच्छा होगा तो खुद ही चलेगा, समय रैना के मजेदार अंदाज पर हंस पड़े वरुण धवन

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म है जवानी तो इश्क होना है को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का नया गाना चॉंबो हाल ही में रिलीज हुआ, जिसके प्रमोशन में वरुण जुटे हुए हैं। इसी बीच उन्होंने कमीडियन समय रैना के साथ एक ऐसा वीडियो साझा किया, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों को खूब हंसाया। दोनों के बीच की मजेदार बातचीत ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

दरअसल, वरुण धवन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह समय रैना के साथ जिम में नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों मस्ती भरे अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में वरुण धवन अपने नए गाने चॉंबो की शुरुआती लाइन गुनगुनाते दिखाई देते हैं। वह पूरे उत्साह के साथ गाना गाते हैं और उम्मीद करते हैं कि समय रैना भी उनके साथ गाने की अगली लाइन बोलेंगे लेकिन समय रैना अपने खास मजाकिया अंदाज में वरुण की बात का अलग ही जवाब देते हैं। जैसे ही वरुण गाना शुरू करते हैं, समय हंसते हुए कहते हैं, भाई, ऐसे यह काम नहीं करेगा। उनका यह जवाब सुनकर वरुण पहले

थोड़ा चौंक जाते हैं, लेकिन फिर मुस्कुराने लगते हैं। समय का इशारा गाने के प्रमोशन के तरीके की तरफ था। इसके बाद वरुण उनसे पूछते हैं कि आखिर ऐसा क्यों। तब समय मजाकिया अंदाज में कहते हैं, अगर गाना अच्छा होगा, तो खुद ही चल जाएगा। समय की यह बात सुनते ही वरुण हंस पड़ते हैं और मजाक में जवाब देते हैं कि उन्हें लगा था कि गाना सिर्फ इसी तरीके से चलेगा। चॉंबो गाने की बात करें तो यह एनर्जी से भरा और डांस से भरपूर है। इस गाने में वरुण धवन के साथ अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में वरुण ने अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के साथ भी इस गाने पर डांस करते हुए वीडियो पोस्ट किया था।

मेट्रो बाजार

भू-राजनीतिक तनाव के बीच अप्रैल में भारत में दर्ज किए गए 22.8 अरब डॉलर के 220 सौदे : रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में अप्रैल 2026 के दौरान 22.8 अरब डॉलर के कुल 220 सौदे दर्ज किए गए। ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट में कहा गया है कि महीने के दौरान हुए पांच अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाले बड़े सौदों ने कुल 17.4 अरब डॉलर का योगदान दिया, जो कुल डील वैल्यू का करीब 80 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया कि मर्जर एंड एक्विजिशन (एमएंडए) गतिविधियां कुल डील वैल्यू की सबसे बड़ी वजह रहीं। अप्रैल में 18.7 अरब डॉलर मूल्य के 103 एमएंडए सौदे दर्ज किए गए, जो मई 2022 के बाद सबसे अधिक मासिक एमएंडए वैल्यू है। महीने-दर-महीने आधार पर एमएंडए सौदों का मूल्य करीब 1000 प्रतिशत बढ़ा, जबकि डील वॉल्यूम में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, आउटबाउंड गतिविधियां डील मार्केट में सबसे प्रभावशाली रहीं। इस दौरान 17.7 अरब डॉलर मूल्य के 21 आउटबाउंड ट्रांजैक्शन हुए। प्राइवेट इक्विटी (पीई) निवेश के मामले में भी अप्रैल में चुनिंदा लेकिन मजबूत वृद्धि देखने को मिली। अप्रैल में 3.2 अरब डॉलर मूल्य के 109 सौदों की घोषणा की गई। हालांकि, पीई डील की मात्रा (वॉल्यूम) घटकर साल के सबसे निचले मासिक स्तर पर आ गई, जबकि डील मूल्य (वैल्यू) इस साल अब तक के दूसरे सबसे उच्च स्तर पर बने रहे, जो कम लेकिन बड़े लेन-देन की ओर बदलाव का संकेत देता है।

उबर, अदाणी समूह के साथ मिलकर भारत में अपना पहला डेटा सेंटर लॉन्च करेगी

अहमदाबाद। कैब सर्विस कंपनी उबर भारत में अदाणी ग्रुप के साथ मिलकर पहला डेटा सेंटर स्थापित करेगी। इसकी वजह देश का कंपनी के लिए बड़े इनोवेशन हब के रूप में उभरना है। यह जानकारी उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही ने बुधवार को दी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी से मुलाकात के बाद डेवलपमेंट के बारे में जानकारी साझा करते हुए, उबर के सीईओ ने कहा कि भारत तेजी से वैश्विक मोबिलिटी प्लेटफॉर्म के लिए एक अग्रणी इनोवेशन केंद्र बन रहा है।

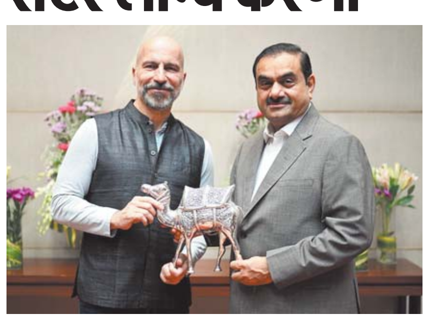

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अहमदाबाद में गौतम अदाणी से मिलकर बहुत अच्छा लगा और उबर और अदाणी समूह के बीच मौजूदा साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर मिला। उन्होंने आगे कहा, जैसे-जैसे भारत उबर के लिए एक प्रमुख इनोवेशन केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है, हम अपनी तकनीक का परीक्षण और तैनाती करने के लिए अदाणी समूह के साथ देश में अपना पहला डेटा सेंटर स्थापित कर रहे हैं। प्रस्तावित डेटा सेंटर से भारत में उबर के बढ़ते टेक्नोलॉजी और इनोवेशन कार्यों को समर्थन मिलने की उम्मीद है। भारत कंपनी के लिए न केवल मोबिलिटी सेवाओं में, बल्कि इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास में भी एक महत्वपूर्ण बाजार बन गया है। सीईओ ने कहा, इस साल के अंत तक तैयार होने वाला यह निवेश हमें भारत से दुनिया भर के लिए बड़े पैमाने पर विकास करने में मदद करेगा।

भारत की अनोखी मंडी: जहां सूखे पत्ते फूल और कांटों की भी लगती है बोली

मध्यप्रदेश के नीमच में स्थित है देश की इकलौती औषधीय मंडी

नीमच। मध्यप्रदेश को अजब-गजब राज्य भी कहा जाता है, यहां बहुत कुछ ऐसा है सच में अजब और गजब है। आपने सूखे पत्ते, छिलके, फली, कांटे और कई पौधों को कहीं न कहीं तो जरूर ही देखा होगा। लेकिन क्या आपको यह पता है कि देश में एक ऐसी मंडी है जहां सभी को खरीदा जाता है। इन पत्तों और कांटों के लिए बाकायदा बोली लगाई जाती है। चलिए हम आपको देश की एकमात्र ऐसी मंडी के बारे में बताएंगे जहां कांटे और पत्तियों से भी किसान पैसा कमा रहे हैं।

मध्यप्रदेश की नीमच मंडी देश की इकलौती मंडी है में नीम की पत्ती, गुलाब के सूखे पत्ते, संतरे के छिलके, बबूल की फली, भटकटैया के कांटे और अन्य औषधीय पौधों की नीलामी होती है। यह कृषि उपज मंडी औषधीय फसलों, पेड़ों के पत्ते और बीजों की खरीद-फरोख्त के लिए प्रसिद्ध है।

कई राज्यों से आते हैं किसान

नीमच मंडी में औषधीय फसलों, पत्ते, फूलों और बीजों बेचने के लिए देशभर से किसान आते हैं। गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान सहित कई प्रदेशों के किसान हर साल यहां आते हैं। किसानों से इन्हें खरीदने के बाद व्यापारी साफ-सफाई करने के बाद इन्हें विदेशों में सप्लाई करते हैं।

65 से ज्यादा औषधीय

नीमच मंडी में फसलों के अलावा करीब 65 से ज्यादा औषधीय फसलें बिकती है। इन सभी फसलों की नीलामी बोली के जरिए होती है। इनकी बोली व्यापारियों द्वारा 500 रुपए से लेकर 2 लाख रुपए तक लगाई जाती है। ताकि किसानों को फसलों का उचित दाम मिले।

न्यूज विंडो

दूध के बाद सीएनजी भी हुई महंगी, मुंबई में 2 रू. बढ़े रेट

नई दिल्ली। महानगर गैस ने मुंबई महानगर क्षेत्र में सीएनजी की कीमत 2 रू. प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद अब मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई समेत MMR में CNG84 प्रति किलोग्राम मिलेगी। अभी तक CNG की कीमत 82 प्रति किलोग्राम थी।बता दें कि महानगर गैस ने बढ़ती इनपुट कॉस्ट और बाजार परिस्थितियों के चलते सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से गैस की बढ़ती वैश्विक कीमतों और पश्चिम एशिया में अशांति से जुड़े करेंसी में उतार-चढ़ाव के कारण हुई है। एक बयान में कंपनी ने कहा, 'ग्लोबल एनर्जी सप्लाई चेन को प्रभावित करने वाली भू-राजनीतिक बाधाओं, साथ ही गैस के महंगे सोर्सेज पर बढ़ती निर्भरता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और कुल मिलाकर रुपये में गिरावट के कारण, गैस खरीद की लागत में काफी वृद्धि हुई है।'

किराया बढ़ाने की मांग तेज: CNG महंगी होने के कारण ऑटो-रिक्शा यूनियनों ने किराया बढ़ाने की मांग तेज कर दी है। इन यूनियनों का कहना है कि लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों से ड्राइवरों की इनकम प्रभावित हो रही है। ऑटो यूनियनों ने बेस किराए में कम से कम 1 बढ़ोतरी की मांग रखी है।

ओडिशा में गहराया ईंधन संकट, पंपों पर लटका 'नो डीजल' का बोर्ड

भुवनेश्वर। एक चिंताजनक घटनाक्रम में अब ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर भी ईंधन संकट की चपेट में आ गई है। कल्पना स्क्वायर स्थित भारत पेट्रोलियम का पेट्रोल पंप अचानक ईंधन की कमी के कारण बंद रहा, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। भुवनेश्वर के कई निवासी जब पेट्रोल भरवाने के लिए पंप पहुंचे तो वहां 'नो डीजल' का बोर्ड लगा मिला और पूरा पंप बंद था। एक वाहन चालक ने नाराजगी जताते हुए कहा, 'मैं अपनी गाड़ी में पेट्रोल भरवाने आया था, लेकिन कर्मचारियों ने शाम को आने को कहा। मैं दो बार वापस आया, फिर भी पेट्रोल और डीजल दोनों की सेवा बंद है। एक महिला यात्री ने कहा, 'मेरी गाड़ी में पेट्रोल खत्म हो चुका था, इसलिए मैं यहां आई थी। लेकिन पंप बंद होने के कारण अब मैं कहीं जा नहीं पा रही हूं। मुझे काफी परेशानी हो रही है और बिना ईंधन के वापस लौटना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, अमरपाली रोड पर हिलुंग गांव के पास स्थित एक पेट्रोल पंप पिछले तीन दिनों से ईंधन संकट के चलते बंद पड़ा है, जिससे ग्राहकों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

चम्मच से मगरमच्छ की आंख फोड़ महिला ने बचाई अपनी जान

बेंगलुरु। ओडिशा में भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान के पास एक नदी में बर्तन धो रही एक महिला पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। हालांकि, महिला इस हमले में बाल-बाल बच गई। यह घटना केंद्रपाड़ा जिले के महाकालपाड़ा वन क्षेत्र के पेटाछेला गांव में हुई। वन अधिकारियों ने बताया कि 54 वर्षीय छबी भुक्ता बर्तन धोने के लिए रामाचंडी नदी में उतरी थीं, तभी अचानक एक मगरमच्छ ने उन पर हमला कर दिया। छबी महाकालपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती है। छबी ने बताया कि घटना के दौरान वह चीखने लगीं और अपने हाथ में पकड़े चम्मच से उन्होंने मगरमच्छ की आंखों पर हमला करके उसका बहादुरी से मुकाबला किया। डॉक्टरों ने बताया कि इस हमले के कारण महिला के हाथों, पैरों और पेट में चोटें आई हैं। फिलहाल उनका इलाज जारी है। यह घटना भीतरकनिका के पास कंसला गांव के 54 वर्षीय एक मछुआरे की गोबरी नदी में मछली पकड़ते समय मगरमच्छ के हमले में हुई मौत के ठीक 2 महीने बाद सामने आई है।

ईरानी सेना के ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद अकरमी निया ने कहा -हमारी सेना पूरी तरह तैयार

ईरान बोला- अब पीछे हटने की गुंजाइश नहीं दुश्मन को नहीं है हमारी ताकत का अंदाजा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरानी सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद अकरमी निया ने बुधवार को कहा है कि अमेरिका और इजराइल के साथ जंग के बाद अब पीछे हटने की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान की सेना और सुरक्षा बल पूरी तरह तैयार हैं, क्योंकि अमेरिका के साथ युद्धविराम काफी कमजोर है।

अकरमी निया ने बताया कि होर्मुज के पश्चिमी हिस्से पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नेवी का कंट्रोल है, जबकि पूर्वी हिस्से की जिम्मेदारी ईरान की रेगुलर नौसेना संभाल रही है। उन्होंने दावा किया कि ईरानी सेना ने दुश्मन को उसके किसी भी मकसद में सफल नहीं होने दिया। युद्ध के दौरान मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मौजूद कई इक्विपमेंट तबाह कर दिए गए। अकरमी निया ने ईरान की सैन्य ताकत की तारीफ करते हुए कहा कि दुश्मन (अमेरिका-इजराइल) ने ईरान की क्षमताओं का सही अंदाजा नहीं लगाया था।

रुबियो बोले- ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान का मौजूदा शासन परमाणु हथियार चाहता है, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में दुनिया ऐसा नहीं होने देगी। रुबियो के मुताबिक दुनिया इस बात पर एकजुट है कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख रखते हैं और ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकना अमेरिका की प्राथमिकता है।

ओमान तट के पास हादसा: होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और जहाज डूबा

ईरान जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और मालवाहक जहाज डूब गया। 'हाजी अली' नाम का जहाज 13 मई की सुबह ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी उससे कोई ड्रोन या मिसाइल जैसा हथियार टकरा गया। हादसे के बाद जहाज में आग लग गई, हालांकि ओमान कोस्टगार्ड ने सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया।

गुजरात के द्वारका निवासी और जहाज मालिक सुलतान अहमद अंसार ने बताया कि MSV हाजी अली जहाज बेरबेरा पोर्ट से शारजाह जा रहा था। सुबह करीब 3:30 बजे ओमान के समुद्री तट के पास जहाज हादसे का शिकार हो गया।

क्रू मेंबर्स ने बताया कि जहाज से किसी विस्फोटक जैसी चीज के टकराने की आवाज सुनाई दी थी। इसके बाद जहाज में आग लग गई। हालात बिगड़ने पर सभी 14 क्रू मेंबर्स ने लाइफ बोट की मदद से जहाज छोड़ा।

इससे पहले 7 मई को होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहा गुजरात के द्वारका का एक और मालवाहक जहाज MSV अरुफैज नूर सुलेमानी-I भी अमेरिका और ईरान नेवी के बीच फायरिंग का शिकार हुआ था।

राहुल की विदेश यात्रा पर सवाल

'कमाई 11 करोड़ तो खर्च 60 करोड़ कैसे'

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी के विदेशी दौरों और उन पर हुए भारी-भरकम खर्च को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पात्रा ने राहुल गांधी की घोषित आय और उनके विदेश दौरों पर हुए कथित खर्च के बीच के बड़े अंतर को उजागर करते हुए यह पूछा है कि आखिर इन यात्राओं के लिए फंडिंग का स्रोत क्या है।

संबित पात्रा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि साल 2004 से 2026 के बीच राहुल गांधी ने 54 व्यक्तिगत (निजी) विदेश यात्राएं की हैं। उन्होंने दावा किया कि इन यात्राओं पर लगभग 60 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिसमें कोई भी आधिकारिक सरकारी या संसदीय दौरा शामिल नहीं है। पात्रा ने राहुल गांधी के चुनावी हलफनामों का जिक्र करते हुए कहा कि आकलन वर्ष 2013-14 से 2022-23 तक फॉर्म 26 के हलफनामों में उनके द्वारा घोषित आय के विवरण के आधार पर, 10 वर्षों में उनकी कुल घोषित आय 11 करोड़ रुपये थी।

मैक्रों थप्पड़ विवाद

पत्रकार का दावा- ईरानी अभिनेत्री से चैट देख भड़कीं थीं फ्रांस के राष्ट्रपति की पत्नी

पेरिस। 2025 में वियतनाम में विमान से उतरते समय ब्रिगिट मैक्रों ने अपने पति इमैनुएल मैक्रों को धक्का दिया था। एक नई किताब के अनुसार, यह घटना इमैनुएल मैक्रों द्वारा एक ईरानी अभिनेत्री को भेजे गए संदेशों के कारण हुई थी। इस घटना ने 2025 में काफी सुर्खियां बटोरी थीं। दंपती ने इसे मजाक बताकर खारिज कर दिया था।

फ्लोरियन टार्डिफ की नई किताब 'अन कपल (प्रेस्क) पारफे' में यह दावा किया गया है। टार्डिफ ने बताया कि ब्रिगिट, इमैनुएल के निर्वासित ईरानी-फ्रांसीसी अभिनेत्री गोलशिफतेह फराहानी को भेजे गए संदेशों से नाराज थीं। पेरिस मैच पत्रिका के राजनीतिक संवाददाता टार्डिफ का आरोप है कि 73 वर्षीय ब्रिगिट को डर था कि उनके 48 वर्षीय पति अभिनेत्री के लिए उन्हें छोड़ सकते हैं। फराहानी ने पत्रकारों के सवालों पर अफेयर की अफवाहों से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि उनका संबंध केवल भावनात्मक था। टार्डिफ ने आरटीएल रेडियो को बताया कि संदेशों की सामग्री 'काफी आगे' बढ़ गई थी।

पीएम मोदी की अपील का असर, एनडीएमसी में 33 फीसदी कर्मी करेंगे वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली। दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के 33 फीसदी कर्मचारी अब वर्क फ्रॉम होम करेंगे। परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद अनावश्यक आवागमन कम कर ईंधन की बचत सुनिश्चित करना है।

नई व्यवस्था के तहत चिन्हित विभागों के समूह बी और समूह सी के अधिकतम 33 प्रतिशत कर्मचारियों को जरूरत के अनुसार घर से काम करने की अनुमति दी जाएगी। विभागाध्यक्ष कर्मचारियों की क्रमवार ड्यूटी सूची तैयार करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि

कार्यालयी कामकाज और जनसेवाएं प्रभावित न हों। दूर-दराज इलाकों से निजी वाहनों के जरिए आने वाले कर्मचारियों को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही गई है।

एनडीएमसी ने स्पष्ट किया कि घर से काम करने वाले कर्मचारियों को आधिकारिक संचार माध्यमों पर उपलब्ध रहना होगा और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्यालय पहुंचना अनिवार्य होगा। वहीं कई जरूरी सेवाओं को इस व्यवस्था से बाहर रखा गया है।

इनमें सफाई एवं जनस्वास्थ्य सेवाएं, अस्पताल और आपातकालीन सेवाएं, बिजली और जल आपूर्ति कर्मचारी, उद्यान विभाग, अभियांत्रिकी एवं रखरखाव दल, प्रवर्तन और निरीक्षण टीमें तथा नियंत्रण कक्ष और आपदा प्रतिक्रिया कर्मचारी शामिल हैं। एनडीएमसी ने कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन, कार पूलिंग, साइकिल और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित करने का फैसला किया है।

मेट्रो एंकर | **प्लेन क्रैश: हादसा इतना भयानक कि समुद्र में विमान का मलबा तक नहीं मिला**

समुद्र में जूझते रहे 11 यात्री, फिर चमत्कार से बची जान

फ्लोरिडा, एजेंसी

अमेरिका के फ्लोरिडा तट के पास समुद्र में हुए एक विमान हादसे में 11 लोगों की जान बाल-बाल बच गई। विमान के समुद्र में गिरने के बाद सभी लोग करीब 5 घंटे तक एक लाइफ राफ्ट पर फंसे रहे। उनके पास मदद के लिए किसी से संपर्क करने का कोई साधन नहीं था और उन्हें यह भी नहीं पता था कि कोई उन्हें बचाने आएगा भी या नहीं। इस दौरान तेज तूफान आने की आशंका के बीच सभी लोग एक तिरपाल के नीचे बैठकर खुद को बचाने की कोशिश करते रहे। बाद में अमेरिकी सेना और बचाव दल के हेलीकॉप्टर वहां पहुंचे और सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

विमान का कोई मलबा नहीं

मेजर पिओवाटी ने बताया कि आखिरी व्यक्ति को हेलीकॉप्टर में चढ़ाने के कुछ ही मिनट बाद हेलीकॉप्टर को फ्यूल भरवाने के लिए लौटना पड़ता, इसलिए समय पर पूरा ऑपरेशन होना बेहद अहम था। इस दुर्घटना की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बचाव दल को समुद्र में विमान का कोई मलबा नहीं मिला। सभी 11 लोगों को सुरक्षित

निकालकर मेलबर्न ऑरलैंडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट लाया गया, जहां पहले से मौजूद मेडिकल टीम ने उनका इलाज किया और अब सभी की हालत स्थिर है। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

उड़ान के दौरान विमान का इंजन खराब हो गया: अधिकारियों के मुताबिक, हादसे का शिकार हुआ विमान बीचक्राफ्ट 300 किंग एयर टर्बोप्रॉप था। यह विमान बहामास के ग्रेट अबाको द्वीप स्थित मार्श हार्बर से फ्रीपोर्ट के ग्रैंड बहामा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जा रहा था। मंगलवार को उड़ान के दौरान विमान का इंजन खराब हो गया, जिसके बाद पायलट ने फ्लोरिडा के वेरो बीच से करीब 80 किलोमीटर दूर समुद्र में इमरजेंसी लैंडिंग यानी डिचिंग की। पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए विमान में मौजूद 10 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और सभी को पीले रंग की लाइफ राफ्ट पर पहुंचाया।

'क्रैश में लोगों का बच जाना चमत्कार से कम नहीं'

रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल एयर फोर्स कैप्टन रोरी व्हिपल ने बताया, 'उन्हें देखकर साफ लग रहा था कि वे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बेहद परेशान थे। कल्पना कीजिए कि समुद्र के बीच फंसे लोगों को यह भी नहीं पता था कि कोई उन्हें बचाने आएगा या नहीं।' एयर फोर्स रिजर्व की मेजर एलिजाबेथ पिओवाटी ने पायलट की तारीफ करते हुए कहा कि समुद्र की ऊंची लहरों के बीच विमान को नियंत्रित तरीके से उतारना बेहद कठिन होता है। उन्होंने कहा, 'मैंने पहले कभी किसी को समुद्र में विमान गिरने के बाद बचते नहीं देखा। इतने लोगों का सुरक्षित बच जाना किसी चमत्कार से कम नहीं है।'

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564